अगले 12 महीने में 25,500 के स्तर को छू सकता निफ्टी

एफएमसीजी और डिफेंस सेक्टर करेंगे लीड

मुंबई।

वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव के बीच निफ्टी अगले 12 महीने में 25,521 के स्तर को छू सकता है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। वित्तीय सर्विसेज फर्म पीएल कैपिटल के मुताबिक, छोटी अवधि में हॉस्पिटल, फार्मा, रिटेल, बैंकों, चुनिंदा एफएमसीजी, डिफेंस और पावर सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, नया अनुमान पहले के अनुमान से कम है, लेकिन विस्तार के सेक्टर द्वारा बौद्धिक विश्लेषण यह सुनिश्चित करता है कि आगे चुनौतियों और अवसरों की ओर सफल गति हो सकती है। इस बाजारी रिपोर्ट से अभिप्रेत है कि प्रमुख सेक्टरों का मजबूत और सपोर्ट करना अब अत्यंत जरुरी है। परिस्थितियों के साथ, अद्यतन रिपोर्ट का मानना है कि वैश्विक झटकों के माध्यम से बाजार उभरने में सफल रहेगा और मजबूती दर पर अचरद्ध रहेगी। तेज वृद्धि की स्थिति में, इंडेक्स 27,590 के पास पहुंच सकता है जबकि धीमी गति में, 24,831 तक हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक निफ्टी में हल्की गिरावट देखने की संभावना है जिसका कारण वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बढ़ना और ट्रेड वार की तनावपूर्ण स्थिति है। रिपोर्ट भविष्य में उम्मीद जताती है कि

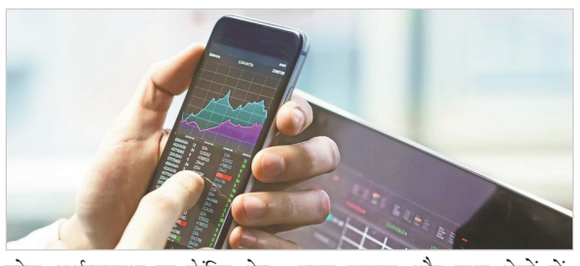

घरेलू अर्थव्यवस्था पर केंद्रित क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन करेंगे जिसमें हॉस्पिटल, फार्मा, रिटेल, चुनिंदा एफएमसीजी कंपनियां, बैंक, डिफेंस और पावर शामिल हैं। विभिन्न क्षेत्रों में स्थिर वृद्धि की उम्मीद है जैसे आईटी, सीमेंट, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर बिजनेस। विपरीत प्रदर्शन की स्थिति में, वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव और कुछ क्षेत्रों में अल्पकालिक चुनौतियों की संभावना है। वैश्विक स्तर पर, भारत और यूएसए के बीच एक व्यापार समझौता वास्तविक हो सकता है जिसमें ऑटो, कंज्यूमर गुड्स, डिफेंस, तेल और गैस, शराब और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक डेवलपमेंट देखने की संभावना है।

वाहन शुल्क पर अस्थायी रोक लगा सकता है अमेरिका

ट्रंप ने 27 मार्च को वाहनों तथा उसके घटकों पर 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा की थी

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह वाहन उद्योग पर लगाए गए शुल्क पर अस्थायी रोक लगाने पर विचार कर सकते हैं, ताकि कार विनिर्माताओं को अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को समायोजित करने का समय मिल सके। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से चर्चा में कहा कि मैं कुछ कार कंपनियों की मदद करने के बारे में सोच रहा हूं। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने कहा कि वाहन विनिर्माताओं को कनाडा, मैक्सिको और अन्य स्थानों से उत्पादन स्थानांतरित करने के लिए समय की जरूरत है क्योंकि वे उनका विनिर्माण वहां करना चाहते हैं। इसके लिए उन्हें थोड़ा समय चाहिए तो मैं ऐसी चीजों के बारे में बात कर रहा हूं। फोर्ड, जनरल मोटर्स और स्टेलांटिस का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था अमेरिकन ऑटोमोटिव पॉलिसी काउंसिल के अध्यक्ष ने कहा कि समूह ट्रंप के घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य से सहमत है। इस बात को लेकर जागरूकता बढ़ रही है कि व्यापक शुल्क एक समृद्ध और बढ़ते अमेरिकी वाहन उद्योग के विनिर्माण के हमारे साझा लक्ष्य को कमजोर कर सकता है, इनमें से कई आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव में समय लगेगा। ट्रंप के बयान से शुल्क पर एक बार फिर से उलटफेर का संकेत मिलता है, क्योंकि उनके फैसले से वित्तीय बाजारों में घबराहट है और वॉल स्ट्रीट के अर्थशास्त्रियों में संभावित मंदी को लेकर गहरी चिंता उत्पन्न हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 27 मार्च को वाहनों तथा उसके घटकों पर 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा की थी और इन्हें स्थायी करार दिया था।

हॉनर 400 और हॉनर 400 प्रो लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली।

हॉनर कंपनी जल्द ही स्मार्टफोन हॉनर 400 और हॉनर 400 प्रो लॉन्च करने की तैयारी में है। हाल ही में लीक हुए रेंडर्स से इन फोनों के डिजाइन और कुछ प्रमुख फीचर्स सामने आए हैं। हॉनर 400 के रेंडर्स से पता चलता है कि इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप होगा, जिसे एक सिंगल फ्रंट कैमरे के साथ जोड़ा गया है। कैमरा आइलैंड का डिजाइन पहले के मुकाबले अधिक गोल किनारों वाला है और फ्लैश मॉड्यूल को भी अब सर्कुलर आकार में दिखाया गया है। फोन के फ्रंट में चारों ओर समान मोटाई वाले बेजेल्स नजर आते हैं, जिससे इसकी प्रीमियम फिनिश का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। सबसे बड़ा बदलाव डिस्प्ले में देखने को मिल सकता है। हॉनर 400 प्रो में फ्लैट डिस्प्ले होने की उम्मीद है, जबकि पिछले मॉडल में कर्व्ड डिस्प्ले था। हालांकि यह सारी जानकारियां अनऑफिशियल स्रोतों से मिली हैं, इसलिए कंपनी की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार जरूरी है।

इससे पहले लॉन्च हुआ हॉनर 400 लाइट दमदार स्पेसिफिकेशन्स के साथ आया था, जिसमें 120 एचझेड अमोलेड डिस्प्ले, मीडियाटेक डायमेंसिटी 7025 चिपसेट, 108एमपी कैमरा और 5230 एमएच बैटरी जैसे फीचर्स शामिल हैं। हॉनर 400 प्रो मॉडल की बात करें तो इसमें ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है, जिसमें वर्टिकल फ्लैश मॉड्यूल भी शामिल है। रेंडर्स में इसके फ्रंट पर डुअल सेल्फी कैमरा दिखाया गया है। माना जा रहा है कि इसका मेन कैमरा 200 मेगापिक्सेल का होगा, जो कि पिछले मॉडल के 50 मेगापिक्सेल कैमरे से काफी बेहतर साबित हो सकता है।

कच्चा तेल 35 रुपये लीटर, पेट्रोल-डीजल होंगे सस्ते!

कच्चा तेल एक साल में 22 प्रतिशत से अधिक लुढ़का

नई दिल्ली।

भारत में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। वर्तमान में क्रूड ऑयल की कीमत 5561 रुपये प्रति बैरल तक आ गई है, यानी लगभग 35 रुपये प्रति लीटर की गिरावट आई है! लेकिन हैरानी की बात ये है कि देश के कई शहरों में पेट्रोल अब भी 100 रुपये से ऊपर और डीजल 90 रुपये के पार बिक रहा है। जब अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमतें इतनी गिर गई हैं तो आम जनता को इसका फायदा क्यों नहीं मिल रहा?

जानकारों की मानें तो भारत अब कच्चा तेल 69.39 डॉलर प्रति बैरल की दर से खरीद रहा है, जबकि पिछले साल यही दर 89.44 डॉलर प्रति बैरल थी। यानी एक साल में कीमतों में 22 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास की धीमी रफ्तार और टैरिफ वॉर के चलते आने वाले समय में कच्चा तेल और भी सस्ता हो सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतिष्ठित फाइनेंशियल फर्म गोल्डमैन सैक्स ने अनुमान लगाया है कि 2025 के शेष महीनों में कच्चे तेल की कीमत घटकर 63 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकती है। वहीं खाड़ी देशों के संगठन ओपेक ने भी भविष्य की मांग को लेकर अपने अनुमान घटा दिए हैं। कुछ दिन पहले केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि तेल कंपनियों के पास करीब 45 दिन का स्टॉक है, जो उन्होंने लगभग 75 डॉलर प्रति बैरल की दर से खरीदा है।

लेकिन अगर क्रूड की मौजूदा कीमतें बनी रहती हैं, तो आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती संभव है।

वनप्लस 13टी जल्द ही बाजार में होगा लॉन्च

नई दिल्ली।

महंगे स्मार्टफोन का निर्माण करने वाली कंपनी वन प्लस अपने नए स्मार्टफोन वनप्लस 13टी को जल्द ही लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में फोन का एक हैंड्स-ऑन वीडियो सामने आया है।

यह वीडियो चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर शेयर किया गया था, जिसे टिपस्टर अभिषेक यादव ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया है। लीक वीडियो में फोन की रियर और साइड डिजाइन की हल्की झलक मिलती है, हालांकि पूरा डिजाइन साफ तौर पर नहीं दिखता।

इस फोन को लेकर बीते कुछ समय से लगातार लीक्स सामने आ रहे हैं, जिनमें इसके संभावित फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस का खुलासा हुआ है। वनप्लस 13टी में 6.3 इंच का फ्लैट ओलेड डिस्प्ले हो सकता है, जो 1.5के रेजॉल्यूशन और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। डिस्प्ले की पीक ब्राइटनेस 1600 निट्स तक होने की संभावना है।

प्रोसेसर के तौर पर इसमें क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 8 एलीट चिपसेट दिया जा सकता है। इसमें एलपीडीडीआर4एक्स रैम और यूएफएस 4.0 स्टोरेज हो सकती है।वनप्लस 13टी में वायफाय 7, ब्ल्यूटूथ 5.4, एनएफसी, ड्यूल स्टीरियो स्पीकर, एक्स-अक्सिस लीनियर मोटर और एक नया एक्शन बटन मिलेगा। यह

फोन मेटल फ्रेम के साथ आईपी68/69 रेटिंग और एंड्राएड 15 ओएस पर काम करेगा। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें डुअल रियर कैमरे मिल सकते हैं, जिनमें 50 एमपी का मेन लेंस और 50एमपी का टेलीफोटो सेंसर शामिल होगा। सेल्फी के लिए 32 एमपी का फ्रंट कैमरा मिल सकता है।

फोन में 6100 एमएएच की बैटरी दी जा सकती है, जो 80वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी।

खाद्य वस्तुएं सस्ती होने से थोक मुद्रास्फीति मार्च में घटकर हुई 2.05 फीसदी

थोक मुद्रा स्फी ति मार्च 2024 में 0.26 प्रतिशत थी

नई दिल्ली।

खाद्य वस्तुओं के सस्ते होने के कारण मुद्रास्फीति मार्च में 2.05 प्रतिशत रह गई है, जो पिछले महीने की 2.38 प्रतिशत की तुलना में कम है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में वार्षिक आधार पर वृद्धि देखी गई है, जो मार्च 2024 में 0.26 प्रतिशत थी। उद्योग मंत्रालय के बयान के अनुसार खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, खाद्य वस्तुओं, बिजली, और कपड़े की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है। सब्जियों की कीमतों में तेजी से गिरावट देखने में थोक मूल्य सूचकांक का भी बड़ा योगदान रहा। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति मार्च में बढ़कर 3.07 प्रतिशत हो गई है, जो फरवरी की 2.86 प्रतिशत से अधिक है। ईंधन और बिजली में भी वृद्धि की गई है और मार्च में यह 0.20 प्रतिशत रही है। इस मुद्रास्फीति का आंकड़े बताते हैं कि खाद्य वस्तुओं के सस्ते होने के बावजूद, अन्य विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन में वृद्धि दिखाई दे रही है। विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद चुनौतियों के बावजूद, खाद्य उत्पादों में मुद्रास्फीति की दर में कमी आई है।

अमेरिका चीन से आयात कंप्यूटर चिप, दवाओं पर बढ़ाएगा शुल्क!

बैंकॉक। अमेरिकी प्रशासन ने चीन से आयात पर शुल्क बढ़ाने की तैयारी शुरु कर दी है, जिसमें कंप्यूटर चिप, चिप बनाने वाले उपकरण और दवा सहित अन्य उत्पाद शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने इस आदेश के तहत जांच की घोषणा की है और सार्वजनिक टिप्पणी के लिए नोटिस जारी किया है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले सप्ताह दिए गए आर्डर में चीन से आए उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया था, लेकिन अब कंप्यूटर चिप और उससे बनने वाले उत्पादों पर भी शुल्क लगाने की योजना बन रही है। वाणिज्य मंत्रालय ने इस निर्णय के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने का मंत्र बताया है और कंप्यूटर चिप और यहां तक कि कार, रेफ्रिजरेटर, स्मार्टफोन जैसे दैनिक उपयोग की वस्तुओं के आयात पर नजर बनाने की योजना बनाई है। इस कदम से अमेरिका के विदेशी व्यापार पर भारी आर्थिक प्रभाव हो सकता है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए इस निर्णय का समर्थन किया है।

होम लोन पर ब्याज का बोझ कैसे घटाएं?

अपनाएं 2025 में ईएमआई कम करने के तरीके

नई दिल्ली।

पिछले दो वर्षों में भारत के प्रमुख शहरों में घरों की कीमतों में औसतन 18 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब औसत कीमत 7,989 रुपए से लेकर 34,026 रुपए प्रति वर्ग फुट के बीच पहुंच गए हैं। ऐसे में जहां एक ओर लोग घर खरीदने की लागत घटाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं उन्हें होम लोन की फाइनेंसिंग लागत कम करने पर भी ध्यान देना चाहिए। लोन के लिए अप्लाई करने से पहले अपना क्रेडिट स्कोर जरूर जांचें। बैंकबाजार डॉट कॉम के एक वे रिष्ठ अे धिकारी कहते हैं, होम लोन की ब्याज दरें आपके क्रेडिट स्कोर से जुड़ी होती हैं। अगर स्कोर अच्छा है तो आपको सबसे कम ब्याज दर मिल सकती है। आमतौर पर 750 से ऊपर का स्कोर अच्छा माना जाता है। अगर आपका स्कोर कम है, तो लोन लेने की योजना थोड़ी टाल दें और पहले अपने क्रेडिट प्रोफाइल को बेहतर बनाएं। अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 से कम है तो बैंक आपको लोन देने से मना कर सकते हैं। अे धिकारी कहते हैं, ऐसे में आपको नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनीया हाउसिंग फाइनेंस कंपनी का रुख करना पड़ सकता है, जो आमतौर पर ज्यादा ब्याज दर वसूलती हैं। किसी अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर लोन लेने से आपकी लोन एलिजिबिलिटी बढ़ जाती है। हमेशा अधिकतम लोन-टू-वैल्यू रेश्यो लेने से बचें। मान लीजिए आप 1 करोड़ का घर खरीद रहे हैं और आपको 75 लाख तक लोन मिल सकता है। लेकिन अगर आप केवल 60 लाख का लोन लेते हैं, तो इससे आपको थोड़ी बेहतर ब्याज दर मिल सकती है। सबसे कम ब्याज दर पाने के लिए अलग-अलग लेंडर्स से ऑफर जानें।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1578 , निफ़्टी 500 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ । बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रति डोनाल्ड ट्रंप के 75 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाये जाने पर अस्थाई रोक के बाद अमेरिकी बाजारों में तेजी आई । इसका सकारात्मक असर भारतीय बाजारों पर भी पडा। । एचडीएफसी बैंक , आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय एयरटेल जैसे शेयर ऊपर आये। दिन भर के कारोबार के बाद 30 तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1577.63 अंक करीब 2.10 फीसदी की तेजी के साथ 76,734.89 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में यह 500 अंक तकरीबन 2.19 फीसदी ऊपर आकर 23,328.55 पर बंद हुआ। इस दौरान निवेशकों की सपत्ति में भी काफी बढ़त रही। कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 412,29,007 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं शुक्रवार को यह 402,34,966 करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों की संपत्ति करीब 10 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बाजार में तेजी का सबसे बड़ कारण ट्रंप की उस टिप्पणी को माना जा रहा है। इसमें उन्होंने ऑटोमोबाइल सेक्टर को टैरिफ से अस्थायी राहत देने की बात कही। ट्रंप ने कहा कि ÷ऑटोमोबाइल कंपनियों को कनाडा, मैक्सिको और अन्य जगहों से संयंत्र दूसरी जगह ले जाने के लिए समय चाहिए। आज अधिकर हेवीवेट शेयरों में भी बढ़त रही। इनमें एचडीएफसी बैंक , आईसीआईसीआई, एलएंडटी, रिलायंस इंडस्ट्री, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एक्सिस बैंक और टाटा

मोटर्स जैसे शेयर शामिल हैं। इसके अलावा वैश्विक बाजारों में भी ट्रंप की टिप्पणी के बाद सकारात्मक माहौल रहा। जापान का निकेई इंडेक्स 1 फीसदी ऊपर था, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.37फीसदी ऊपर आया और हांगकांग के हेंगसेंगे इंडेक्स में 0.2 फीसदी की तेजी रही

वहीं वॉल स्ट्रीट पर डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.78 फीसदी बढ़कर 40,524.79 पर बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 0.64 फीसदी उछलकर 16,831.48 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 0.79 फीसदी बढ़कर 5,405.97 पर बंद हुआ।

हालांकि, वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स कम कारोबार कर रहा था। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज वायदा 0.2 फीसदी नीचे आया।

इससे पहले आज सुबह बाजारों की लगातार दूसरे दिन जोरदार तेजी के साथ शुरुआत हुई। मंगलवार को बाजार 1600 अंक से ज्यादा उछलकर 76,852.06 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी तेजी के साथ 23,368.35 पर खुला।

एईटीएल को पीजीवीसीएल से मिली दो बिजली आपूर्ति परियोजनाएं

नई दिल्ली। अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स लिमिटेड (एईटीएल) ने कहा कि उसे पश्चिम गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) से दो बिजली आपूर्ति परियोजनाएं हो सिल हुई है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसे दो प्रमुख बिजली आपूर्ति परियोजनाओं के लिए एल1 (सबसे कम बोली लगाने वाला) के तौर पर चुना गया। इसमें पीजीवीसीएल के नेटवर्क के भीतर दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए 11 केवी (किलोवोल्ट) मध्यम वोल्टेज कवर कंडक्टर तथा उसके सहायक उपकरण की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण व उसे चालू करना शामिल है। एईटीएल बिजली पारेषण, दूरसंचार अवसंरचना व ऊर्जा परिवर्तन समाधान क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है।

वित्त वर्ष 2024-25 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री दो प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 43,01,848 इकाई हो गई। उद्योग निकाय सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में थोक बिक्री 42,18,750 इकाई रही थी। यात्री वाहनों की थोक बिक्री मार्च महीने में 3,81,358 इकाई रही, जो मार्च 2024 के 3,68,090 वाहनों से चार प्रतिशत अधिक है।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी ने एनटीपीसी के साथ किया बिजली खरीद समझौता

मुंबई। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने घोषणा की कि उसने 200 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) परियोजना के लिए देश की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत टीपीआरईएल की उम्मीद है कि सालाना लगभग 1,300 मिलियन यूनिट बिजली पैदा होकर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होगा। यह परियोजना सौर, पवन और बीईएसएस टेक्नोलॉजी को शामिल करेगी। इस परियोजना की चरणबद्ध सामरिकता से उम्मीद है कि यह देश भर में इसे 24 महीने के भीतर पूरा कर पाएगा। इसके साथ ही टीपीआरईएल की कुल नवीकरणीय ऊर्जा उपयोगिता क्षमता 10.9 गीगावाट तक पहुंच गई है और वितरण कंपनियों की पीक पावर सप्लाई की 90 फीसदी उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी क्षमता मिली है। इस परियोजना से आशा है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में हरित ऊर्जा समाधान पेश करने के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी ऊर्जा की सामरिकता में सुधार होगा।

बीवायडी ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली।

बीवायडी कंपनी ने 2025 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। वैश्विक स्तर पर कंपनी ने मार्च में 377,420 वाहन बेचे, जिससे क्यू 1 2025 में कुल बिक्री 990,711 यूनिट्स तक पहुंच गई।

यह आंकड़ा क्यू 1 2024 के 624,398 यूनिट्स की तुलना में 58.7प्रतिशत अधिक है। मार्च में बेचे गए वाहनों में 371,419 पैसेंजर कारें शामिल थीं, जो फरवरी 2025 से 15प्रतिशत और पिछले साल की तुलना में 23.1प्रतिशत अधिक है। वहीं कंपनी का उत्पादन भी इसी अवधि में 395,091 यूनिट्स तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 33प्रतिशत अधिक है। बीवायडी ने अप्रैल 2022 में आईसीई यानी इंटरनल कम्बशन इंजन वाले वाहनों का उत्पादन बंद कर दिया था और अब केवल बीईवी (बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल) और पीएचईवी (प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल) बेचती है। क्यू 1 2025 में कंपनी ने 416,388 बीईवी यूनिट्स बेचीं, जो क्यू1 2024 की 300,114 यूनिट्स से 39प्रतिशत अधिक है। हालांकि, बीईवी की कुल बिक्री हिस्सेदारी 42.2प्रतिशत रही, जो पिछले साल की पहली तिमाही में 48.1प्रतिशत थी। वहीं, पीएचईवी की बिक्री में जोरदार बढ़त देखी गई, जो क्यू 1 2025 में 569,710 यूनिट्स रही। यह क्यू 1 2024 के 324,284 यूनिट्स से 76 प्रतिशत अधिक है, और इनका

कुल बिक्री में हिस्सा 57.8प्रतिशत रहा।

बीवायडी ने साल 2023 में 3 मिलियन वाहन बेचे थे और 2024 में यह आंकड़ा 4.3 मिलियन तक पहुंचा। अब कंपनी को उम्मीद है कि 2025 में यह संख्या 5.5 मिलियन और 2026 में 6.5 मिलियन तक पहुंच जाएगी। मार्च 2025 तक बीवायडी की कुल इलेक्ट्रिक व्हीकल बिक्री 11.6 मिलियन यूनिट्स को पार कर गई है। मार्च 2025 में कंपनी ने 72,723 यूनिट्स का निर्यात किया, जो पिछले साल के मुकाबले 90प्रतिशत और फरवरी से 8.5प्रतिशत अधिक है। यह बीवायडी के इतिहास में सबसे अधिक मासिक निर्यात रहा। क्यू 1 2025 में कुल निर्यात 206,084 यूनिट्स रहा, जो साल-दर-साल 110.5प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है।

ओकिनावा ऑटोटेक के राजस्व में वित्तीय वर्ष 2024 में 87 प्रतिशत की भारी गिरावट

नई दिल्ली।

भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादक ओकिनावा ऑटोटेक ने वित्त वर्ष 2024 में अपने राजस्व में 87 प्रतिशत की भारी गिरावट की दर्जा की है। कंपनी के नवीनतम वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, ओकिनावा की कुल बिक्री वित्त वर्ष 2023 के 1,144 करोड़ रुपये से मात्र 182 करोड़ रुपये रह गई है। इसके साथ ही, कंपनी के परिचालन मार्जिन और आरओसीई में भी बड़ी गिरावट आई है, जिसमें ईबीआईटीडीए मार्जिन 25.8 प्रतिशत और आरओसीई 102 प्रतिशत तक गिर गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस गिरावट की मुख्य कारणों में प्रतिस्पर्धा में वृद्धि और बदलते बाजार के अनुसार तालमेल की कमी शामिल है। कंपनी ने गिरावट के चलते अपने खर्चों में कटौती करने की कोशिश की है, जैसे कि खरीद लागत 80 प्रतिशत और कर्मचारी लागत 16 प्रतिशत घटकर रह गई है। हालांकि, कुल व्यय 251 करोड़ रुपये में भी एक गाढ़ा गिरावट आई है। ओकिनावा ऑटोटेक अपने उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने और सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए पहले से अधिक दबाव का सामना कर रही है। विश्लेषकों का कहना है कि ईवी बाजार में यह संघर्ष आवश्यक है और कंपनियों को अपनी रणनीति में नए उत्पादों की लागत को कम करके लगातार उन्नति करने की आवश्यकता है।

मुझे अपने लिए गाना है, प्रियंका और दीपिका को देना चाहती हैं आवाज

छोटे पर्दे के चर्चित म्यूजिक रिएलिटी शो इंडियल आइडल के 15वें सीजन की ट्रॉफी सुरीली आवाज की धनी सिंगर मानसी घोष ने अपने नाम कर ली। इंडियन आइडल 15 से पहले एक और म्यूजिक रिएलिटी शो सुपर सिंगर के तीसरे सीजन की रनर-अप रहीं मानसी शुरू से ही शो की पसंदीदा प्रतिभागियों में से थीं। मानसी घोष ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की साधना शुरू कर दी थी। अपने संगीत प्रेम के बारे में उन्होंने बताया, जैसा कि पारंपरिक बंगाली परिवारों में होता है, मैं बहुत छोटी थी, तब से गाना सीखना शुरू किया। मेरी मम्मी को गाने का बहुत शौक था। वो चाहती थीं कि मैं सिंगर बनूं, तो मैंने 4 साल की उम्र में गाना शुरू कर दिया था। फिर, बड़ी होते हुए मुझे समझ में आ गया था कि मुझे सिंगर ही बनना है। दूसरा सिंगिंग रिएलिटी शो करने की वजह? सुपर सिंगर की रनर-अप बनने के बावजूद फिर रिएलिटी शो में भागीदारी की वजह पूछने पर मानसी बताती हैं, सुपर सिंगर एक बंगाली शो था, जबकि मैं नैशनल टीवी पर आना चाहती थी, इसलिए मैंने इंडियन आइडल का ऑडिशन दिया। वहीं, शो में अपने सफर के बारे में उनका कहना है, यह बहुत मजेदार और जादुई सफर था। मैंने सोचा नहीं था कि मैं शो जीतूंगी। पहले दिन से मेरी सोच ये थी कि इतनी मेहनत करूं कि फाइनलिस्ट बन जाऊं। मैं गाने पर ध्यान देना चाहती थी और वही किया, जिसके लिए मुझे बहुत प्यार मिला। शो जीतना तो सोने पर सुहागा था।

इंडिपेंडेंट म्यूजिक में बनाना है करियर

वहीं, आगे के प्लान्स के बारे में मानसी बताती हैं, मुझे आगे लाइव शोज करने हैं। गाने बनाने हैं। मुझे कंपोज करने का भी शौक है, तो मुझे इंडिविजुअल म्यूजिक में काम करना है। हालांकि, मैं प्लेबैक के लिए भी कोशिश करूंगी। मगर अभी सारे ट्रेंडिंग गाने इंडिपेंडेंट आर्टिस्ट के ही हैं। अभी इंडिपेंडेंट म्यूजिक का दौर चल रहा है और मैं वही करना चाहती हूं। अपनी प्राइज मनी का इस्तेमाल भी उसी के लिए करना है।

इन दो एक्ट्रेसेस के लिए चाहती हैं गाना

मानसी किसी एक्ट्रेस के लिए गाना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, मुझे खुद के लिए गाना है। मैं खुद के लिए गाती हूं। अपनी ऑडियंस के लिए गाती हूं। बाकी, एक्ट्रेसेस में मुझे प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण पसंद हैं तो यही दो नाम सबसे पहले आते हैं।

कृष 4 से बॉलीवुड में दमदार वापसी करने जा रहीं प्रियंका

कृष फ्रेंचाइजी को लेकर हाल ही में एक बड़ी जानकारी सामने आई है। खबर है कि इस बार प्रियंका चोपड़ा जोनस भी इस फिल्म के जरिए फ्रेंचाइजी में वापसी करने वाली हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा ने कृष 4 में लीड एक्ट्रेस का रोल साइन कर लिया है। बताया जा रहा है कि प्रियंका, ऋतिक की इस फिल्म के विजन से इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने तुरंत हामी भर दी। वह ऋतिक के डायरेक्शन में काम करने को लेकर भी काफी उत्साहित हैं। फैंस भी इस खबर से खुश हैं, क्योंकि कृष और कृष 3 में प्रियंका और ऋतिक की जोड़ी को खूब पसंद किया गया था। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया था।

जादू की भी होगी एंट्री

फिल्म में एक और खास किरदार की वापसी की खबर है। कहा जा रहा है कि इस फ्रेंचाइजी का प्यारा एलियन जादू भी कृष 4 में नजर आएगा। जादू का किरदार हमेशा से फैंस का फेवरेट रहा है और अब उसकी वापसी की खबर ने उत्साह को दोगुना कर दिया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार जादू की क्या भूमिका होगी।

राकेश रोशन कर चुके हैं एलान

28 मार्च को फिल्म निर्माता और निर्देशक राकेश रोशन ने एक खास पोस्ट के जरिए जानकारी दी थी कि अब कृष 4 का निर्देशन उनके बेटे ऋतिक रोशन करेंगे। राकेश रोशन ने लिखा था, डुग्गू, 25 साल पहले मैंने तुम्हें एक एक्टर के तौर पर लॉन्च किया था। आज 25 साल बाद मैं और आदित्य चोपड़ा तुम्हें डायरेक्टर के तौर पर लॉन्च कर रहे हैं। यह हमारी सबसे खास फिल्म कृष 4 होगी। इस रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि कृष 4 की शूटिंग 2026 की शुरुआत में शुरू होगी।

साउथ की फिल्म में भी दिखेंगी प्रियंका

कृष 4 के अलावा प्रियंका एक और बड़ी भारतीय फिल्म में नजर आएंगी। वह एसएस राजामौली की पैन-इंडिया फिल्म में काम कर रही हैं, जिसका शुरुआती नाम एसएसएमबी 29 है। इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू लीड रोल में हैं। हाल ही में फिल्म की टीम ओडिशा में शूटिंग के दौरान देखी गई थी।

तेजस्वी के साथ शादी की खबरों पर नाराज हुए करण

टीवी एक्टर करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश काफी वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों के फैंस को इनकी शादी का इंतजार है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जल्द ही एक रियलिटी शो में दोनों सगाई कर सकते हैं। लेकिन, इस तरह की अफवाहों पर हाल ही में करण कुंद्रा ने नाराजगी जताई है। उन्होंने बाकायदा सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है। करण कुंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें लिखा है, नए जमाने के प्यारे टैबलॉयड। मैं अपनी शादी की खबरें पढ़-पढ़कर परेशान हो गया हूं। मैं क्योंकि दुबई में हूं तो अपनी सगाई का एलान शो पर करूंगा। आपमें से कई सारे लोग मुझसे और मेरे एजेंट से एक कॉल दूर हैं। आप कॉल करके कंफर्म क्यों नहीं कर लेते? अभी थोड़ा ज्यादा हो रहा है। करण ने आगे लिखा है, मेरी शादी, सगाई, रोका, बच्चा, ब्रेकअप, मिडलाइफ क्राइसिस मैं खुद एनाउंस कर लूं प्लीज। मेरी तरफ से आप सभी को बहुत प्यार और शुभकामनाएं।

न्यासा का एक्टिंग में फिलहाल कोई इंटरेस्ट नहीं है

बॉलीवुड के पावर कपल कहे जाने वाले काजोल और अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन अक्सर चर्चा में रहती हैं। कभी किसी फैशन इवेंट में शिरकत करती हैं, तो कभी किसी स्टार किड पार्टी में अपने दोस्तों के साथ मस्ती करती दिख जाती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें वायरल होती हैं और हर बार एक सवाल फिर से उठता है - क्या न्यासा फिल्मों में आने वाली हैं? लेकिन हाल ही में एक इवेंट में जब काजोल से ये सवाल सामने आया, तो उन्होंने बहुत ही साफ और बिना घुमाए जवाब दिया - नहीं। उसने खुद तय कर लिया है कि फिलहाल उसका फिल्मों में आने का कोई इरादा नहीं काजोल हाल ही में एक इवेंट में गेस्ट बनकर पहुंची थीं। बातचीत के दौरान जब उनसे बेटी न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सवाल किया गया, तो काजोल मुस्कुराते हुए बोलीं, बिलकुल नहीं... नो। वो 22 साल की हो गई है, होने वाली है अभी। मुझे लगता है कि उसने अपना मन बना लिया है कि नहीं आने वाली है अभी। इवेंट में काजोल से पूछा गया कि अगर कोई नया लड़का या लड़की फिल्म लाइन में आना चाहता है, तो वो उसे क्या सलाह देंगी? इस पर काजोल ने कहा, सबसे पहली बात, हर किसी से सलाह मत लो। क्योंकि अगर तुम पूछोगे कि क्या करना चाहिए, तो सौ लोग खड़े हो जाएंगे और कहेंगे - नाक बदलो, हाथ बदलो, बालों का रंग बदलो, ये करो, वो करो और वैसे ही इंसान कन्फ्यूज हो जाता है।

अगली फिल्म में 'मां' के रोल में नजर आएंगी काजोल

काजोल की अगली फिल्म का नाम है मां, जो एक माइथोलॉजिकल हॉरर ड्रामा है। इस फिल्म को विशाल फुरिया डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक मार्च में सामने आया था, जिसमें काजोल एक मजबूत मां के रोल में दिखीं, जो किसी भी हद तक जाकर अपनी बेटी की हिफाजत करती है। इस फिल्म में उनके साथ नजर आएंगे रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा। मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इमरान हाशमी ने नेपोटिज्म पर की खुलकर बात

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी ने अपनी कजिन आलिया भट्ट की जमकर तारीफ की है। हाल ही में रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट द रणवीर शो में इमरान से आलिया की कामयाबी और नेपोटिज्म को लेकर सवाल किए गए। इमरान ने इस पर खुलकर जवाब देते हुए कहा कि आलिया ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पुरानी पीढ़ी नई पीढ़ी के लिए रास्ता आसान करती है, लेकिन आलिया का स्टारडम उनकी अपनी मेहनत का नतीजा है। रणवीर ने जब इमरान से पूछा कि क्या महेश भट्ट के लंबे करियर का आलिया को फायदा मिला? इस पर जवाब देते हुए इमरान ने बेहद साफगोई से जवाब देते हुए कहा, हर पीढ़ी अपने बच्चों के लिए एक सीढ़ी की तरह काम करती है। मेरे पिता या दादा-दादी से मुझे जो सीख मिली, उसने मुझे इंडस्ट्री को समझने में मदद की। ठीक वैसे ही, महेश भट्ट ने आलिया को सलाह और अनुभव जरूर दिए होंगे। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि आलिया की कामयाबी सिर्फ इस वजह से है। इमरान ने साफ किया कि फिल्म इंडस्ट्री में बिना बैकग्राउंड वाले लोग भी सुपरस्टार बने हैं, लेकिन जिन्हें मार्गदर्शन मिलता है, उनके लिए रास्ता थोड़ा आसान हो जाता है।

आलिया की मेहनत की जमकर की तारीफ

इमरान ने आलिया की तारीफ करते हुए कहा, आलिया अपने दम पर स्टार बनी हैं। उन्होंने जो कुछ हासिल किया है, वह उनकी मेहनत और प्रतिभा का नतीजा है। एक्टिंग का सफर बहुत अकेला होता है। आपको खुद कैमरे के सामने जाकर परफॉर्म करना पड़ता है। इसमें कोई और आपकी मदद नहीं कर सकता। इमरान ने यह भी कहा कि आलिया बेहद मेहनती हैं और अपनी हर भूमिका में जान डाल देती हैं।

इमरान ने इस बातचीत के दौरान एक पुराना किस्सा भी साझा किया जो आलिया के संघर्ष को बयां करता है। उन्होंने कहा, जब आलिया को अपना पहला शॉट देना था तो वह बहुत घबराई हुई थीं। वह ऑफिस आईं और मुझसे सलाह मांगने लगीं। अगले दिन उनका पहला शॉट था, इसलिए वह काफी नर्वस थीं। लेकिन सच कहूं तो उन्हें मेरी सलाह की जरूरत नहीं थी। वह खुद में एक शानदार एक्टर हैं।

इमरान की कजिन हैं आलिया

क्या आप जानते हैं कि इमरान और आलिया कजिन्स हैं? इमरान की दादी मेहरबानो मोहम्मद अली (जिन्हें पूर्णिमा दास वर्मा के नाम से जाना जाता था) और महेश भट्ट की मां शिरीन मोहम्मद अली बहनें थीं। यानी आलिया, जो महेश भट्ट की बेटी हैं, इमरान की कजिन हैं।

राज को तो उनकी मां ने पत्नी की इज्जत करना सिखाया है

एक्ट्रेस पत्रलेखा ने पहली ही फिल्म सिटी लाइट्स से खुद को अच्छी अदाकारा साबित कर दिया था, मगर उन्हें दमदार रोल अब जाकर सीरीज आईसी 814 द कांधार हाइजैक और फुले जैसी फिल्म में मिल रहे हैं। फुले में महान समाज सुधारक सावित्री बाई फुले की भूमिका निभा रहीं पत्रलेखा से हमने कई पहलुओं पर खास बातचीत की -

सावित्री बाई फुले भारत में लैंगिक समानता और फेमिनिस्ट आंदोलन की अग्रणी रही हैं। क्या आपने लड़की होने के कारण गैर बराबरी झेली है?

बिल्कुल झेली है। मैंने बचपन से इन चीजों का सामना किया है और ये असमानता अब भी हमारे समाज में है, पर मेरा मानना है कि एक स्ट्रॉन्ग मां ही इसमें बदलाव ला सकती है। वो ही अपने बेटे को समझा सकती है कि लड़की-लड़का सब एक है। यह आपके घर से शुरू होगा, जो मैंने अपने घर में देखा है। मेरे पैरंट्स की शुरू से यह सोच रही कि जो मुझे और मेरी बहन को दिया जाएगा, वही मेरे भाई को दिया जाएगा। चाहे वो पढ़ाई हो या दुर्गापूजा के कपड़े हों या खाना, हमारे घर में हर चीज में बराबरी थी, लेकिन बाहर लड़की होने की वजह से मैंने ईव-टीजिंग वगैरह काफी सही हैं।

कभी इस गैर बराबरी के खिलाफ आवाज उठाई?

बहुत वक्त के बाद। यह आवाज उठाना मुझे राज एक्टर पति राजकुमार राव ने छह-सात साल पहले सिखाया था। वरना, पहले जब ईव टीजिंग होती थी, जो हमारे साथ होती ही रहती है कि कोई भी रास्ते पर कुछ बोलकर, करके चला जाता है, तब मुझे बहुत बुरा लगता था, गुस्सा आता है, मगर मैं कुछ नहीं बोलती नहीं थी। मैं चुपचाप अपना सिर नीचे करके चली जाती थी। मुझे याद है, कॉलेज के वक्त हम बस से किसी ट्रिप पर जा रहे थे। जब मैं बस से उतरी तो किसी ने मुझे पीछे से पीठ के नीचे छुआ, तो मुझे इतना गंदा लगा कि मैं रात भर रोती रही कि मेरे साथ ऐसा क्यों किया, मेरी क्या गलती थी? मगर ये आपकी बात तो है ही नहीं, ये बात समझने में मुझे बहुत वक्त लग गया।। यह राज ने मुझे सिखाया कि कोई अगर तुम्हें बुरी नजर से देख रहा है, कुछ कह रहा है या तुम्हें असहज महसूस करा रहा है तो तुम बोलो ना कि क्या देख रहे हो? उसे पलटकर जवाब दो। तब मुझे लगा कि हां यार, मैं क्या गलत कर रही हूं, मैं क्यों सिर झुकाकर निकलूं?

आपका और आपके पति राजकुमार राव का रिश्ता भी बराबरी की पार्टनरशिप की मिसाल माना जाता है। राज का खुद को पत्रलेखा का बॉयफ्रेंड कहना या शादी के समय आप दोनों का एक-दूसरे को सिंदूर लगाना ! इसके पीछे क्या सोच रहती है?

राज (राजकुमार राव) या मैं ऐसा कुछ सोचकर नहीं करते। राज की परवरिश ही ऐसी हुई है। ये खूबियां उनकी मम्मी ने उनमें डाली हैं। जैसा कि मैंने कहा ये सब चीजें घर से ही शुरू होती हैं। राज की मां बहुत स्ट्रॉन्ग थीं। उन्होंने उसे सिखाया कि आपको अपनी पत्नी को इज्जत देनी ही है। आपके घर की सब औरतें आपके बराबर हैं। ये चीजें उनको बचपन से सिखाई गई हैं तो वह नैचरली ऐसे हैं। वह ऐसा कुछ दिखाने या साबित करने के लिए नहीं करते। हम दोनों ऐसे ही हैं। यह हमारी पर्सनैलिटी है।

आपने 2014 में पहली फिल्म सिटी लाइट्स में अपनी एक्टिंग के लिए वाहवाही पाई, मगर उसके बाद वैसा दमदार रोल अब जाकर आईसी 814 द कांधार हाइजैक और फुले में मिल पाया। आपके हिसाब से कहां गलती हुई?

गलती मेरी तरफ से नहीं हुई यार। यह इंडस्ट्री पर है। मैं अपना काम बहुत शिद्दत से करती हूं। अगर आपको मेरा काम या शायद मेरा चेहरा पसंद नहीं है तो उसके लिए मैं खुद को दोष नहीं दूंगी कि मुझे वो रोल क्यों नहीं मिले। शायद वो मेरे नसीब में नहीं था। यहां कोई वजह तो बताता नहीं है। सब बोलते थे कि अरे, वेरी गुड वेरी गुड पर उसके आगे क्या? मैं बस इतना जानती हूं कि मुझे जो काम मिलेगा, वो मैं शिद्दत से करूंगी। उसमें मैं अपना 100 पर्सेंट दूंगी।

फिल्म टोस्टर से आप निर्माता भी बन गई हैं। यह ख्याल कैसे आया और कैसा अनुभव रहा?

मैं चार-पांच साल से सोच रही थी कि मुझे निर्माता बनना है। हम उस दिशा में काम कर रहे थे, पर ऐसी चीजें रातोंरात नहीं होतीं। पिछले साल हमने यह फिल्म ओटीटी के लिए पिच की, उन्हें पसंद आ गई। राज को रोल पसंद आ गया, तो काम शुरू हो गया, पर यह एक्टिंग से बहुत अलग काम है। इसमें बहुत दिमाग और वक्त लगता है और यह सिर्फ पैसे की बात नहीं है। शूट से पहले की प्लानिंग, सेट पर सबकुछ कैसे होगा, यह सब मैनेज करना बहुत ही मुश्किल काम है। हालांकि, एक शानदार क्रिएटिव जर्नी भी होती है। डीओपी, डायरेक्टर के साथ जो फैसले आप लेते हैं, वो सब बहुत मजेदार प्रॉसेस है, लेकिन मुश्किल भी उतना ही है।

सावित्री बाई फुले का किरदार निभाना कितना बड़ी जिम्मेदारी थी? आप समाज सुधार के लिए क्या काम करना चाहेंगी?

ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले ने समाज के लिए जितना किया है, हम आज के समय में वैसा करने की सोच भी नहीं सकते। उनकी जिंदगी का एक ही मकसद था, समाज में सुधार लाना। वो चाहे लड़कियों की शिक्षा को, बाल विवाह रोकना हो, छोटी जाति वालों को समाज में जगह दिलाना हो, वे बस समाज की बेहतरी के लिए काम करते रहे। क्या मैं आज वो कर सकती हूं? क्या अपने अलावा औरों के बारे में सोच सकती हूं, नहीं, क्योंकि आज हम सिर्फ खुद को आगे बढ़ाने के बारे में ही सोचते रहते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स में मुकाबला आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली इस सत्र में अब तक एक ही मैच हारी है। पिछले मैच में उसे अच्छे प्रदर्शन के बाद भी मुम्बई इंडियंस से मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अब घरेलू मैदान पर होने वाले इस मैच में कैपिटल्स जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। अक्षर पटेल की कप्तानी में उतरी दिल्ली के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है जिससे वह राजस्थान पर भारी पड़ेगी।

पिछले मैच में टीम की ओर से स्पिनर कुलदीप यादव और युवा विप्राज निगम ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह इस सत्र में भी बनाये रखना चाहेंगे। अक्षर पिछले मैच में विकेट नहीं ले पाये थे और वह ये कमी इस मैच में पूरी करना चाहेंगे। इसके अलावा वह बल्लेबाजी में भी विफल रहे थे। युवा जैक फ्रेजर मैकगुर्क लय को भी अगर बने रहना तो रन बनाने होंगे। अब तक वह 50 रन भी नहीं बना पाये हैं। पिछले मैच में करुण नायर ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर 82 न बनाये थे। अब इस मैच में भी उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। मध्यक्रम में केएल राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा पिछले मैच में विफल रहे थे पर इस मैच में इनको रन बनाने होंगे।

वहीं दूसरी ओर संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स की राह आसान नहीं है। वह छह में से केवल दो मैच ही जीती है, इससे उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इस प्रकार वह आठवें स्थान पर फिसल गयी है। रॉयल्स के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। यशस्वी जायसवाल केवल एक मैच में ही अर्धशतक बना पाये हैं। कप्तान सैमसन और रियान पराग व ध्रुव जुरेल भी बल्लेबाजी में असफल रहे हैं। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। संदीप शर्मा के अलावा कोई भी गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्सः अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), जेक फ्रेजर-मैकगुर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसी, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव।

राजस्थान रॉयल्स = संजू सैमसन (कप्तान), रियान पराग, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

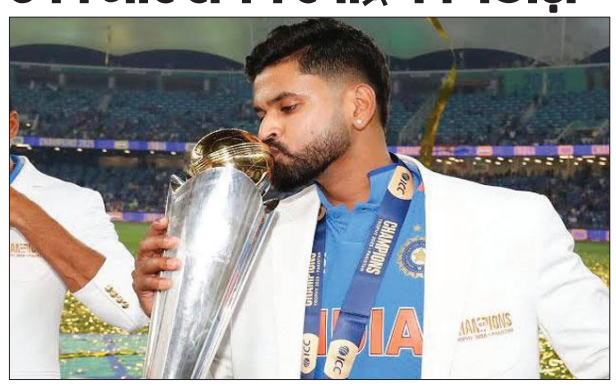

श्रेयस अय्यर बने आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी, जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पछाड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कलात्मक बल्लेबाज बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी एकदिवसीय प्रतियोगिता में सर्वाधिक 243 रन बनाए थे। उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पीछे छोड़ा।

अय्यर ने आईसीसी विज्ञप्ति में कहा, 'मार्च महीने के लिए आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने जाने पर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह सम्मान अविश्वसनीय रूप से विशेष है, खासकर उस महीने में जब हमने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। एक ऐसा क्षण जिसे मैं हमेशा अपनी यादों में संजो कर रखूंगा।' उन्होंने कहा, 'प्रत्येक क्रिकेटर का सपना होता है कि वह इतनी बड़ी प्रतियोगिता में भारत की जीत में योगदान दे। मैं अपने साथियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ का उनके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं। प्रशंसकों को भी दिल से धन्यवाद। आपकी ऊर्जा और प्रोत्साहन हमें हर कदम पर आगे बढ़ने में मदद करते हैं।'

यह लगातार दूसरा महीना है जबकि किसी भारतीय खिलाड़ी ने यह पुरस्कार हासिल किया। इससे पहले शुभमन गिल ने फरवरी महीने के लिए यह पुरस्कार जीता था। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में बीच के ओवरों में शानदार बल्लेबाजी करके पारी को संवारने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाई जिससे भारत इस टूर्नामेंट में अपने सभी मैच जीतने में सफल रहा था।

ये दिग्गज करेगा विनोद कांबली की मदद, हर महीने देंगे मोटी रकम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली पिछले कुछ साल से निरंतर खराब स्वास्थ्य से जूझते रहे हैं। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कुछ समय पूर्व कांबली की सहायता करने का दावा किया है, गावस्कर ने अब उसी वादे को पूरा करने की ओर बड़ा कदम उठाया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सुनील गावस्कर की संस्था चैम्प्स फाउंडेशन विनोद कांबली को आजीवन 30,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान करेगी, जिससे वो अपने स्वास्थ्य का ख्याल रख पाएं।

सुनील गावस्कर की CHAMPS फाउंडेशन संस्था की स्थापना साल 1999 में हुई थी। ये संस्था जरुरतमंद एथलीटों को मदद मुहैया करवाती है। टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर की ये संस्था विनोद कांबली को पूरी जिंदगी प्रति महीना 30, 000 रुपये की सहायता राशि देगी। कांबली को अप्रैल महीने से ही पैसे मिलने शुरू हो गए हैं और साथ ही उन्हें स्वास्थ्य संबंधी खर्चे के लिए सालाना 30 हजार रुपये अलग से मिलेंगे। सुनील गावस्कर और विनोद कांबली की मुलाकात कुछ समय पहले वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर हुई थी। कांबली ने उस दौरान गावस्कर के पैर छूए थे, जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। बता दें कि, पिछले साल दिसंबर में विनोद कांबली को यूरीन इन्फेक्शन के कारण 2 महीने तक अस्पताल में एडमिट रहना पड़ा था।

भारत 11 साल बाद बांग्लादेश में खेलेगा सफेद गेंद की सीरीज, बीसीबी ने जारी किया पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 17 से 31 अगस्त तक मीरपुर और चटगांव में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों की सफ़ेद गेंद की सीरीज़ के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने मंगलवार को कार्यक्रम की घोषणा की।

भारतीय टीम 17 अगस्त को मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में वनडे सीरीज के पहले मैच से पूर्व 13 अगस्त को ढाका पहुंचेगी। दूसरा वनडे 20 अगस्त को मीरपुर में खेला जाएगा। तीसरा और अंतिम वनडे चटगांव में खेला जाएगा, जहां 26 अगस्त को तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच भी खेला जाएगा। दूसरे और तीसरे टी20 के लिए मैच मीरपुर में ही खेले जाएंगे।

यह 2014 के बाद से भारत का बांग्लादेश का पहला सफेद गेंद वाला दौरा होगा। इसके अलावा टी20 सीरीज पहली बार होगी जब बांग्लादेश अपने घर में द्विपक्षीय सीरीज में भारत की मेजबानी करेगा। दोनों टीमों के बीच सबसे हालिया टी20आई सीरीज 2024 में हुई थी, जब बांग्लादेश ने भारत का दौरा किया था और मेजबान टीम ने 3-0 से आसान जीत हासिल की थी।

आगामी सीरीज़ के बारे में बात करते हुए BCB के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने दुनिया की शीर्ष क्रिकेट टीमों में से एक की मेजबानी करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। चौधरी के हवाले से कहा, 'यह सीरीज हमारे घरेलू कैलेंडर में सबसे रोमांचक और सबसे प्रतीक्षित आयोजनों में से एक होने वाली है। भारत ने सभी प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेंचमार्क स्थापित किया है और दोनों देशों के लाखों क्रिकेट प्रेमी इस मुकाबले का आनंद जरूर लेंगे। बांग्लादेश और भारत ने हाल के वर्षों में कुछ बहुत ही प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं, और मुझे विश्वास है कि यह एक और कड़ी टक्कर वाली और मनोरंजक सीरीज होगी।'

भारत के बांग्लादेश दौरे का कार्यक्रम

वनडे सीरीज
पहला वनडे - 17 अगस्त, मीरपुर
दूसरा वनडे - 20 अगस्त, मीरपुर
तीसरा वनडे - 23 अगस्त, चटगांव

टी20आई सीरीज
पहला टी20 - 26 अगस्त, चटगांव
दूसरा टी20 - 29 अगस्त, मीरपुर
तीसरा टी20 - 31 अगस्त, मीरपुर

जॉर्जिया वोल ने जीता आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का पुरस्कार

दुबई। पिछले वर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाली ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को मार्च महीने के लिए आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' खिताब से नवाजा गया है। वोल ने हमवतन एनाबेल सदरलैंड और अमेरिका की चेतना प्रसाद को पछाड़ कर यह पुरस्कार जीता है। 21 वर्षीय वोल ने मार्च में व्हाइट फर्न्स पर ऑस्ट्रेलिया की 3-0 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वोल ने दूसरे छोर पर अनुभवी बेथ मूनी के साथ मिलकर आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की। वोल ने पहले मैच में 31 गेंदों पर 50 रन, दूसरे टी-20 में 20 गेंदों पर 36 रन और अंतिम मैच में 57 गेंदों पर 75 रन बनाये थे। यह लगातार चौथी बार है जब ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने यह मासिक पुरस्कार जीता है। दिसंबर 2024 में एनाबेल सदरलैंड ने, उसके बाद जनवरी में बेथ मूनी और फरवरी में एलन किंग यह पुरस्कार जीता। मार्च महीना का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने पर वोल ने कहा, 'यह पुरस्कार जीतना निश्चित रूप से मेरे और टीम के लिए एक अविश्वसनीय है। न्यूजीलैंड जाकर विश्व चैंपियन के खिलाफ टी-20 सीरीज जीतना सीजन को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका था। मैं अगले सीजन के लिए उत्साहित हूं।'

ऋषभ के बिश्नोई को अंतिम ओवरों में गेंदबाजी नहीं देने पर उठे सवाल

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाएंट्स को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में अपने घरेलू मैदान पर ही हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत के अंतिम ओवरों में अपने स्पिनर रवि बिश्नोई का इस्तेमाल नहीं करने पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस मैच में जब सीएसके को जब अंतिम 4 ओवरों में 44 रनों की जरूरत थी तो सुपर जाएंट्स के कप्तान के पास बिश्नोई का एक ओवर था पर उन्हें नहीं दिया गया जबकि इस स्पिनर ने अपने पहले 3 ओवर में ही केवल 18 रन देकर दो विकेट लिए थे। इसके बाद भी कप्तान ने उनकी जगह पर तेज गेंदबाजों - शार्दुल ठाकुर और आवेश खान को गेंदबाजी के लिए बुलाया और यही फैसला उन्हें भारी पड़ गया। मैच के बाद कप्तान ने कहा कि उन्होंने बिश्नोई के इस्तेमाल के लिए कई खिलाड़ियों से चर्चा की थी पर ऐसा हो नहीं पाया। पावरप्ले में हम अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पायेहैं हालांकि हम चीजों को वापस ला सकते हैं। एक टीम के तौर पर हम हर मैच से सकारात्मक चीजें लेना चाहते हैं और सुधार करने के प्रयास कर रहे हैं।'

आईपीएल के पिछले सत्र का एक रिकार्ड अब तक नहीं टूटा

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले जारी है। है। पिछले सत्र की तरह इस सत्र में भी जमकर रन बरस रहे हैं। पिछले सत्र में एक मैच में सबसे अधिक 549 रन बने थे और ये रिकार्ड अब तक बना हुआ है। इस सत्र में अब तक एक मैच में कुल 523 रन ही बने हैं। इस सत्र में पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने 286 रन बनाये थे। इसके बाद लगा था कि टीम आद के मैचों में 300 रनों का आंकड़ा हासिल करेगी पर ऐसा हुआ नहीं। इससे पहले सनराइजर्स ने पिछले सत्र में भी 287 रन बनाये थे। 2024 के इस मैच में कुल मिलाकर सबसे अधिक रन बने थे। तब पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स ने ट्रेविस हेड के तूफानी शतक से 20 ओवर में 3 विकेट पर 287 रन बनाए थे। हेड के अलावा हेनरिक क्लासेन ने भी अर्धशतक लगाया था। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की धीमी शुरुआत की टीम ने 10 ओवर में 122 ही बनाये। इसके बाद दिनेश कार्तिक ने 35 गेंदों पर ही 83 रन बनाकर टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया हालांकि वह उसे लक्ष्य तक नहीं पहुंचा पाये। आरसीबी ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 262 रन बनाये। इस प्रकार एक ही मैच में कुल 549 रन बने। अब तक चार बार आईपीएल में 500 से अधिक रन बने हैं। इस सत्र में सनराइजर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच में 529 रन बने थे जबकि पिछले सत्र में केकेआर और पंजाब किंग्स के मैच में एक बार 523 और सनराइजर्स व मुम्बई इंडियंस मैच में भी इतने ही रन बने थे।

धोनी ने बताया पिछले मैचों में सीएसके की हार का कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पांच मैच में मिली हार के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को जीत मिली है। इस मैच में जीत के बाद कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने बताया है कि सीएसके किन कारणों से पिछले मैचों में हारी थी। लखनऊ ने इस मैच में सीएसके को जीत के लिए 167 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे सीएसके ने 20 वें ओवर में हासिल कर लिया। इस सत्र की शुरुआत में सीएसके की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ के पास थी पर वह कोहनी की चोट के कारण बाहर हो गये। इसके बाद एक बार फिर धोनी को कप्तानी संभालनी पड़ी है।

धोनी ने मैच के बाद कहा, "अगर आप पिछले मैचों को देखें तो पावरप्ले हो या वह टीम संयोजन हो या हालात में हम मैच से संघर्ष कर रहे थे। इसी कारण हम बल्लेबाजी इकाई के रूप में वह शुरुआत नहीं कर पाए जो हम चाहते थे। साथ ही विकेटों का गिरना भी लगातार जारी था। हम कुछ हद तक गलत समय पर विकेट गंवाते रहे। इसका एक कारण यह हो सकता है कि हमारा घरेलू विकेट थोड़ा धीमा हो। वहीं इस बार हम घर से बाहर खेल रहे थे। ऐसे में बल्लेबाजी इकाई ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया है। शायद हमें ऐसे विकेट पर खेलने की जरूरत है जो अधिक बेहतर हों जिससे बल्लेबाजों को अपने शॉट खेलने में आसानी हो। आप डर कर नहीं खेल सकते'।

उन्होंने आगे कहा, 'तब हम अनुभवी स्पिनर आर अश्विन पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे थे। वह पहले छह ओवर में दो ओवर गेंदबाजी कर रहा था। हमने बदलाव किए और वह बेहतर गेंदबाजी करने लगे। एक गेंदबाजी इकाई के रूप में हमने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में, हम बेहतर कर सकते हैं। अगर आप अच्छी शुरुआत करते हैं, और आप ऐसे खिलाड़ी हैं जो पारी के अंत तक खेल सकते हैं, तो क्यों नहीं। मुझे लगता है कि शेख रशीद ने आज अच्छी बल्लेबाजी की। वह काफी साल से हमारे साथ है। इस साल वह नेट्स में तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों के खिलाफ वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। यह तो बस शुरुआत है।'

रोहित के खराब फॉर्म का असर मुंबई इंडियंस की रणनीति पर पड़ रहा है : पूर्व महिला कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि रोहित शर्मा के खराब फॉर्म के कारण मुंबई इंडियंस टीम आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक लय नहीं पकड़ सकी है। मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित अब इस सत्र में हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली टीम में इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में ही खेल रहे हैं। उन्होंने पांच मैचों में 0, 8, 13, 17 और 18 रन बनाए हैं। मुंबई ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हराया और टीम चार हार तथा दो जीत के साथ सातवें स्थान पर है। अंजुम ने कहा, 'आप खराब फॉर्म में हो सकते हैं। यह कोई अपराध नहीं है। लेकिन इससे टीम को मदद नहीं मिल रही। इससे मुंबई को वह शुरुआत नहीं मिल सकी जो मिलनी चाहिए थी।' उन्होंने कहा, 'उनके पास विकल्प है। रोहित को बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेज सकते हैं। ऐसा नहीं है कि रोहित शर्मा फॉर्म में नहीं हैं, कई बार आपको टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत नहीं मिल पाती जिससे बतौर बल्लेबाज या बतौर खिलाड़ी आप पर असर पड़ता है।' अंजुम ने कहा, 'खेल में यह होता है। हम टूर्नामेंट देख रहे हैं, आईपीएल हो या विश्व कप। लेकिन मुझे बताइए कि विश्व कप में क्या आप नहीं चाहेंगे कि आपका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज फॉर्म में हो। इस तरह के प्रदर्शन में काफी ऊर्जा की जरूरत होती है।' उन्होंने कहा, 'कई लोग इससे उबर जाते हैं और अगले टूर्नामेंट में ढल जाते हैं। उसे उस तरह की शुरुआत आईपीएल में मिल नहीं सकी। लेकिन हमें पता है कि वह किस दर्जे का खिलाड़ी है और किस तरह से मैच जिता सकता है।'

गावस्कर ने पाटीदार के रवैये की प्रशंसा की

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा है कि पाटीदार ने काफी अच्छी कप्तानी की है। उनके सहज रवैए से टीम ने इस सत्र में अब तक अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। पाटीदार ने टीम में नया उत्साह जगाया है जिससे वह बढ़े हुए मनोबल से उतर रही है। इस बार आरसीबी ने 17 साल के बाद चेन्नई के चेपॉक में जीत हासिल करने के अलावा वानखेड़े स्टेडियम में भी जीत हासिल की है। वानखेड़े में ये जीत टीम को पिछले सत्रों में छह मैचों की हार के बाद मिली है।

गावस्कर ने कहा, "कप्तान के रूप में पाटीदार काफी कुशल है। उनकी टीम ने पिछले 17 साल में खिताब नहीं जीता है और अब उसके खिलाड़ी समझ रहे हैं कि जीतने के लिए क्या करना चाहिये है। एक सहज और संयमित कप्तान के साथ टीम के साथ जुड़े अन्य खिलाड़ी भी अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास कर रहे हैं।" गावस्कर ने टीम मेंटर दिनेश कार्तिक के कामकाज को भी सराहा। उन्होंने कहा, "आरसीबी के पास कई अनुभवी लोग हैं जो हमेशा सहायता करने के लिए तैयार रहते हैं। उसके पास मजबूत सहयोगी स्टाफ है। उसके सहयोगी स्टाफ में कार्तिक जैसा व्यक्ति है जिसके प्रभाव को लेकर लोगों को अधिक जानकारी नहीं है।"

गावस्कर ने कहा, " कार्तिक ऐसे मेंटर हैं जो युवा खिलाड़ियों के साथ समय बिताते हैं। उनका मार्गदर्शन करते हैं और उन्हें जरूरी सलाह देते हैं। पाटीदार की को एक ऐसी टीम मिली है जो जीत चाहती है। " साथ ही कहा कि अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली के बड़े शॉट खेलने से भी काफी अलग प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा, "कोहली इस बार शुरू से ही लंबे शॉट खेलने का प्रयास कर रहे हैं जबकि पहले वह अपनी पारी में बाद में इस तरह के शॉट खेलते थे। इससे भी टीम के आक्रामक इरादों का अंदाज होता है। " वहीं गावस्कर ने कहा कि खराब फॉर्म से जूझ रहे मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अपने शॉट चयन पर ध्यान दें। उन्होंने कहा, "जब वह पावर प्ले में आउट हो जाता है, तो दुख होता है। फिर चाहे वह मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहा हो या भारत के लिए। "

जम्पा चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर हुए

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा चोटिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बचे हुए सत्र से बाहर हो गये हैं। जम्पा के कंधे में खिंचाव आया है। इसी कारण राजस्थान रॉयल्स के साथ खेले गए मैच में उन्हें गेंदबाजी के दौरान परेशानी आई। इसके बाद वह स्वदेश लौट गये हैं। जम्पा ने इस टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में इम्पैक्ट सब के रूप में खेलते हुए 48 और 46 रन देकर एक-एक विकेट लिया था। जंपा जैसे अनुभवी स्पिनर का बाहर होना खिलाड़ियों के खराब फार्म से जूझ रही सनराइजर्स के लिए भी करारा झटका है। पहले माना जा रहा था कि जम्पा थोड़े आराम के बाद आईपीएल में वापसी करेंगे पर अब इसकी संभावना समाप्त हो गये है क्योंकि सनराइजर्स ने उनकी जगह कर्नाटक के बल्लेबाज आर स्मरण को टीम में शामिल कर लिया है। जम्पा अब अगले कुछ माह नहीं खेल पायेंगे। इसी कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से भी बाहर रहेंगे।

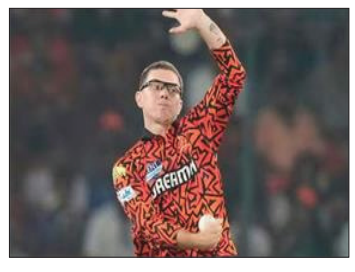

आपको अब तक महसूस... विराट कोहली ने आरसीबी फैंस को किया ट्रोल, 18 नंबर की जर्सी वाली थ्योरी को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी आईपीएल 2025 में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। आरसीबी ने अब तक 6 मैचों में से चार में जीत हासिल की है। पिछले 17 सालों से आरसीबी खिताब के लिए तरह रही है। हालांकि, आरसीबी फैंस को 18वें सीजन में ट्रॉफी जीतने पर काफी भरोसा है। फैंस की नंबर-18 थ्योरी की इन दिनों काफी चर्चा हो रही है। दरअसल, फैंस ने 18वें सीजन और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की 18 नंबर जर्सी का कनेक्शन जोड़ा है। फैंस की ट्रॉफी की उम्मीदें पूरी होंगी या नहीं ये तो कुछ ही हफ्तों में साफ हो जाएगा लेकिन कोहली ने आरसीबी फैंस को ट्रोल कर दिया।

आरसीबी ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कोहली मजेदार अंदाज में बातचीत करते हुए नजर आए। होस्ट ने जब कोहली से फैंस की 18 नंबर की थ्योरी पर विचार पूछे तो स्टार बल्लेबाज ने जवाब में कहा कि, क्या आपको अब तक ऐसा महसूस नहीं हुआ? इसे महसूस करने में 18 साल लग गए। 17, 16, 19 के बारे में क्या ख्याल है। बता दें कि कोहली 2008 में आईपीएल की शुरुआत के से ही आरसीबी का हिस्सा हैं। वह एक ही फ्रेंचाइजी के लिए 18 सीजन खेलने वाले इकलौते प्लेयर हैं। कोहली 2013 से 2021 तक आरसीबी की कमान संभाल चुके हैं। आरसीबी की कप्तानी अब रजत पाटीदार कर रहे हैं।

आरसीबी की बैटिंग यूनिट ने जारी सीजन में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। कोहली और फिल साल्ट बतौर ओपनर उतर रहे। कोहली 5 मैचों में 62.00 की औसत से 248 रन बना चुके हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। साल्ट ने 208 रन जोड़े हैं। रजत पाटीदार मध्यक्रम में अपनी क्लास दिख रहे हैं। जितेश शर्मा और टिम डेविड की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी मदद कर रही है। धीरे-धीरे आरसीबी की बॉलिंग यूनिट भी मजबूत हो रही है।

लखनऊ नगर निगम बैठक में जोरदार हंगामा

पार्षद बोले- बजट झूठा है; कॉपी फाड़ दी, बहुमत से पास कराई अपनी निधि

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में बजट को लेकर बैठक हो रही है। पार्षद निधि सहित अन्य मुद्दों को लेकर जमकर तकरार चल रही है। इस दौरान बीजेपी पार्षद मोंटी सिंह ने कहा- बजट झूठा है। उन्होंने बजट कॉपी फाड़ दी। नाराज मेयर सुषमा खर्कवाल ने सदन से माफी मांगने को कहा। इससे टकराव बढ़ गया और पार्षद वेल में आकर बैठ गए। इसके बाद सदन को स्थगित करना पड़ा। सदन में बाबा साहब की तस्वीर के साथ पहुंचे मोंटी सिंह ने कहा- पार्षद निधि को लेकर महापौर की मनमानी नहीं चलेगी। जो प्रस्ताव कार्यकारिणी में पास नहीं किए गए, उसे संकल्प पत्र में क्यों रखा गया है। भाजपा पार्षद रघुनाथ शुक्ला ने बढ़ी पार्षद निधि में मदों के निर्धारण पर सवाल उठाया। मेयर के सवाल पर शुरू हो गया विरोध मेयर ने 10 मार्च को कार्यकारिणी बैठक के बहिष्कार पर पार्षदों से उसका कारण पूछा। साथ ही कहा- विकास कार्य के साथ में अन्य मद में पैसे क्यों खर्च किए गए। इस बात पर पार्षदों ने विरोध शुरू कर दिया।नाराज भाजपा पार्षदों का कहना है- मेयर और नगर आयुक्त ने खुद की निधि कम करने की घोषणा की थी, लेकिन इससे जुड़ा कोई फैसला नहीं लिया है। पार्षदों का कहना है- अगर एक बार निधि कम करने का दावा किया जा चुका है तो उसकी यथास्थिति बनी रहनी चाहिए। पार्षदों में गतिरोध बना हुआ है।पार्षदों ने एकमत होकर बहुमत बनाते हुए पार्षद निधि पास करा ली है। पार्षदों ने 53 बी नियम के तहत पार्षद निधि के खर्च को करने का प्रस्ताव पास हाथ उठा कर पास कर दिया है। मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा- पार्षद अपने वार्ड में आवश्यकता अनुसार 10 लाख तक खर्च कर सकते हैं। पार्षद मुन्ना मिश्रा ने पार्षदों की तरफ से मांग उठाई कि पार्षद निधि 53 बी नियम के तहत रखा जाए। इसमें पार्षद जिस मद में खर्च करना चाहते हैं उसी में खर्च किया जाए।पार्षद मुन्ना मिश्रा ने पार्षदों की तरफ से मांग उठाई कि पार्षद निधि 53 बी नियम के तहत रखा जाए। इसमें पार्षद जिस मद में खर्च करना चाहते हैं उसी में खर्च किया जाए।पार्षद मुन्ना मिश्रा ने मांग उठाई कि पार्षद निधि 53 बी नियम के तहत रखी जाए। इसमें पार्षद जिस मद में खर्च करना चाहते हैं। उसी में खर्च करने की सहूलियत मिले। पार्षद सौरभ सिंह मोनू ने कहा- मेयर विकास की गंगा बहा रही हैं। इसलिए पार्षद निधि में मद का निर्धारण न किया जाए। सदन में हंगामे के दौरान स्थित बिगड़ने से पहले कांग्रेस पार्षदों ने बीच-बचाव किया। किसी तरह मामला शांत कराया। इस दौरान भाजपा खेमे के महापौर समर्थक पार्षद रणजीत सिंह पार्टी में बढ़ती कलह और तनाव से नाराज होकर पीछे जाकर बैठ गए।

कांग्रेस पार्षद ममता चौधरी ने कहा- जब पार्षद सफाई का खर्च करेंगे तो सफाई कंपनी को ठेका देना उचित नहीं है। बीजेपी पार्षद मोंटी सिंह ने नाराज होकर बजट कॉपी फाड़ दी। उन्होंने कहा- बजट झूठा है। नगर निगम सदन 10 मिनट स्थगित होने के बाद पार्षद वेल में आकर बैठ गए। इस दौरान एक पार्षद बोले- 10 साल से पार्टी का समर्पित कार्यकर्ता हूं, लेकिन मेरी बात नहीं सुनी जाती। साथी पार्षद से कहा- आप कार्यकारिणी बैठक में बनाकर वीडियो सबको दिखाएं। लखनऊ नगर निगम सदन बैठक पार्षदों के हंगामे को देखते हुए दो बार 10-10 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। बीजेपी पार्षद शैलेन्द्र वर्मा बोले- हम जनता की भलाई के लिए पैसा खर्च करते है। पार्षद निधि पर कैप लगाने से विकास कार्य बाधित होंगे।

संक्षिप्त डायरी

ट्राफिक सीओ शाहरुख खान ने सड़क हादसों से बचाव के साथ ही ट्राफिक के बेहतर इंतजामों के बताये तरीके

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर ट्राफिक सीओ शाहरुख खान ने एआरटीओ इनफोर्समैन्ट अमिताभ यश के साथ राठ कस्बे में ई-रिक्शा चालकों और उनके मालिकों को सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख चौराहों में जाकर यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया, साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान चालकों को यातायात नियमों की अनदेखी से होने वाली दुर्घटनाओं और जाम लगने की वजह के बारे में भी जागरूक किया गया। ट्राफिक सीओ ने खुद आम लोगों से ट्राफिक सेफ्टी के फायदे को सरल जबान में समझाया गया। अभियान के तहत नागरिकों में ट्राफिक डिसिप्लिन को बढ़ावा देने, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के साथ ही एक सेफ ट्राफिक इंतजामों को तय करने की तरफ एक शानदार पहल रहा। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक थाना राठ, प्रभारी यातायात हरवेन्द्र सिंह मौके पर मौजूद रहे।

डॉ.भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के तहत गोष्ठी 18 अप्रैल को

संवाददाता

कुशीनगर। डॉ अंबेडकर की जयंती पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे डॉ.भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के तहत 18 अप्रैल को रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में जिला स्तरीय विचार गोष्ठी आयोजित की जाएगी। मंगलवार को आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि आंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के आंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर 13 अप्रैल से शुरू यह अभियान 25 अप्रैल तक जारी रहेगा उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सबसे लंबे समय तक शासन किया लेकिन उसने बाबा साहेब के सपनों और विचारों को बार-बार रौंदा। देश की बड़ी आबादी, दलित समाज को मुख्यधारा से कभी जुड़ने नहीं दिया। कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व यह जानता था कि बाबा साहेब के विचारों का देश में प्रचार होगा तो कांग्रेस का देश विरोधी और दलित विरोधी चेहरा उजागर होगा। रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड ने कहा कि अंबेडकर सम्मान अभियानह्न एक वैचारिक आंदोलन है। संचालन जिला मीडिया प्रभारी व अभियान संयोजक विश्वरंजन कुमार आनन्द ने किया। इस अवसर पर अनुसूचित मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एमपी कन्नौजिया, रामकोला नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश चौधरी, भाजपा जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, डॉ केपी गोंड, अनुसूचित मोर्चा जिला महामंत्री नकुल वर्मा, अनुसूचित मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार भारती, भृगुराशन प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष अनु मोर्चा अनिरुद्ध खरवार, मण्डल अध्यक्ष बैरिस्टर भारती, सभासद बबलू खरवार, रामाश्रय गौतम, सन्तोष कुमार भारती उपस्थित थे।

मारुति सुजुकी ने लगाया कैम्प, नौकरी के लिए 32 युवाओं का हुआ चयन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर के गोपालगढ़ स्थित गौतम बुद्ध आईटीआई परिसर में मारुति सुजुकी कम्पनी हंसलपुर गुजरात द्वारा आयोजित कैंपस सिलेक्शन में 32 युवाओं का विभिन्न ट्रेडों में नौकरी के लिए चयन हुआ। आयोजित कैंप में सर्वप्रथम आईटीआई के प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार यादव और शिक्षकों ने भारत रत्न बाबा साहब भीम राव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मारुति सुजुकी कंपनी के अधिकारियों ने पंजीकृत 62 छात्रों का साक्षात्कार लिया और 32 छात्रों का नौकरी के लिए चयन हुआ। आईटीआई के प्रधानाचार्य श्री यादव और प्रबंधक बीके शुक्ला ने चयनित अभ्यर्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और कहा कि तकनीकी ज्ञान के साथ जीवन में पूर्ण विश्वास के साथ ईमानदारी और जिम्मेदारी पूर्वक कार्य कर आप सफलता की मंजिल को पा सकते हैं। कैम्प में विशाल कुशवाहा, राजा जायसवाल, वेद प्रकाश चौहान, आयुष चौहान, सूरज यादव , प्रिंस , साहब हुसैन आदि छात्रों सहित शिक्षक मौजूद रहे।

लापता मासूम को डॉगी ने 10 मिनट में ढूंढा

वाराणसी। बेटी विनोद के साथ बाहर खेल रही है। तीन घंटे बाद भी नहीं लौटी तो मैं ढूंढते हुए बाहर गई। आसपास तलाश किया, लेकिन कहीं पता नहीं चला। विनोद को फोन लगाया तो उसका फोन स्विच ऑफ था। मैं परेशान हो गई, तभी घर के बाहर बंधा डॉगी भौंकने लगा। मेरे जंजीर खोलते ही डॉगी तेजी से कब्रिस्तान की ओर भागा। 10 मिनट में वापस आया और मुझे खींचकर वहां ले गया। जब मैं पहुंची तो देखा बेटी बदहवास पड़ी थी।' ये बातें वाराणसी में 5 साल की रेप पीड़ित मासूम की मां ने कही। आरोपी पीड़ित बच्ची के पिता का दोस्त है। आरोपी शनिवार दोपहर में मासूम को बहकाकर क्रिश्चियन कब्रिस्तान में ले गया और बच्ची के साथ रेप किया।मासूम के पिता ने बताया- 12 अप्रैल यानी शनिवार को मैं काम से बाहर गया था।

20 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर मौत को लगाया गले

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश हमीरपुर के जरिया थाना क्षेत्र के करही गाँव में 20 वर्षीय अंगूरी नामक युवती ने फांसी का फंदा लगाकर मौत को गले लगा लिया,जबकि 29 अप्रैल को युवती की होनी थी शादी, वही युवती की लाश को फांसी पर लटके देखकर घरवालों के उडे. होश, जबकि युवती की मौत से घरवाले हुये निढाल। इस मामले में जरिया पुलिस ने बताया कि उन्हें पीआरवी के जरिये जानकारी मिली थी कि, ग्राम करही में 20 वर्षीय अंगूरी पुत्री शिवपाल अहिरवार ने घरेलू विवाद के चलते अपने घर के अंदर कमरे में फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया है। जानकारी के बाद जरिया पुलिस ने फील्ड यूनिट टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया, साथ ही मृतका के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के साथ ही पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है।

भाषाओं और बोलियों के संरक्षण में एआई निभा सकता है महत्वपूर्ण भूमिका: मनोज कुशवाहा

संवाददाता

कुशीनगर। बैंगलोर की कार्य टीम ने नगर स्थित वत्स लाइब्रेरी का दौरा किया और महिलाओं और लड़कियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर चर्चा की।

जागृति संस्था द्वारा आयोजित परिचर्चा में टीम में शामिल ऐश्वर्या, काव्या, चंदना और कविता ने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग भाषा और सीखने के मॉडल बनाने में किया जा रहा है। उन्होंने यह भी साझा किया कि एआई किस प्रकार विभिन्न भाषाओं और बोलियों को समझने, उनका विश्लेषण करने और उन्हें संरक्षित करने में मदद कर सकता है। जागृति संस्था के दुर्गेश राय और अतुल ने कहा कि स्थानीय भाषाओं और बोलियों का संरक्षण, हमारी सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाओं और लड़कियों ने चर्चा में उत्साहपूर्वक भाग लिया और भाषाओं और बोलियों से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। वत्स लाइब्रेरी के प्रबंधक मनोज कुशवाहा और प्रीति ने आगंतुक टीम को धन्यवाद दिया। श्री कुशवाहा ने कहा कि युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहने और अपनी मातृ भाषाओं को न भूलने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। बैंगलोर टीम का यह दौरा स्थानीय भाषाओं और बोलियों के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालता है और यह दर्शाता है कि कैसे प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से एआई, इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

लोकबंधु अस्पताल में भीषण आग, एक की मौत

लखनऊ। के सरकारी लोकबंधु अस्पताल की दूसरी मंजिल पर आग लग गई। अंबेडकर जयंती होने के चलते अस्पताल के अधिकांश प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं थे। आग जिस मंजिल पर लगी, वहां फीमेल मेडिसिन, ICU और HDU जैसे वार्ड हैं। केवल इस फ्लोर पर 40 से 50 मरीज भर्ती थे, साथ ही उनके तीमारदार भी मौजूद थे। आग की वजह से पूरे अस्पताल में धुआं भर गया। बिजली कटने से चारों ओर अंधेरा छा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के बाद मौके से ऑन ड्यूटी डॉक्टर और स्टाफ भाग गए। तीमारदारों ने जान की परवाह किए बिना मरीजों को बचाने में मदद की। उन्होंने मरीजों को पीठ पर लादकर बाहर निकाला। फायर ब्रिगेड की टीम कांच तोड़कर अंदर दाखिल हुई। सीढ़ियों और क्रेन की मदद से लोगों को बाहर निकाला। 200 मरीजों को दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया है। गंभीर रोगियों को सिविल और बलरामपुर अस्पताल भेजा गया। ऑक्सीजन सप्लाई बंद होने के कारण कक्ष में भर्ती 61 साल के मरीज राजकुमार प्रजापति की मौत हो गई, जबकि 26 साल की महिला कांति की हालत नाजुक बनी हुई है। उसका इलाज ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। घटना सोमवार रात 9 बजकर 25 मिनट की है। लोकबंधु अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया- अब तक की छानबीन में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट सामने आया है। फिलहाल, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। घटना का सीएम योगी ने संज्ञान लिया। उन्होंने फोन पर अधिकारियों से पूरी जानकारी ली थी।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया- ग्राउंड फ्लोर पर धुआं दिखा था। अस्पताल के डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ ने तुरंत मरीजों को वहां से शिफ्ट करना शुरू किया। 200 मरीजों को वहां से शिफ्ट किया गया है। इनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा। 2-3 गंभीर मरीजों को KGMU के ICU वार्ड में शिफ्ट किया गया। सभी लोग सुरक्षित हैं।मरने वाले राजकुमार प्रजापति को 13 अप्रैल को BP लो होने के कारण लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ऑक्सीजन निकालने के कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई है। मौके से डॉक्टर और स्टाफ भाग गया था। सिर्फ एक एम्पलाई ही अंतिम समय तक था। मृतक के 2 बेटे और 2 बेटी हैं। पत्नी का नाम लक्ष्मी हैं। हुसैनगंज के छितवापुर के रहने वाले हैं। मृतक के साथ मौके पर बेटे दीपेंद्र प्रजापति और दामाद सूरज थे।काकोरी के मरीज रमजान ने बताया कि वह 4 दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। अचानक से अस्पताल में भाग शुरू हो गई। इसके बाद सभी मरीज भागने लगे। तीमारदार चीख रहे थे। अंदर बहुत खौफनाक मंजर था। मेरा ऑपरेशन होना था, लेकिन अभी घर जा रहे हैं। बाद में इलाज करवाएंगे। साथ में पत्नी और दो बच्चे भी हैं। हम लोग काफी डरे हुए हैं। अंदर पूरा अंधेरा हो गया था, कुछ समझ नहीं आ रहा था। आग से बचकर बाहर निकले एक अन्य मरीज ने बताया कि हम लोग लेटे थे। अचानक धुआं दिखने लगा। फिर आग की लपटें दिखने लगीं।

नशा मुक्त अभियान के तहत निकाली गई शोभा यात्रा

न्यूज स्पीक्स

कुशीनगर।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत निकली शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने रवाना किया।यह शोभा यात्रा जिला कलेक्ट्रेट से रविंद्र नगर चौक होते हुए छावनी, सुभाष चौक, तिलक चौक, जटहां रोड से होते हुए अंबे चौक पर सम्पन्न हुआ।कुशीनगर डी.एम. ने अभियान के सफलता की शुभकामनाएं दी एवं ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर माउंट आबू से आए वीरेंद्र भाई एवं कुशीनगर की संचालिका मीरा दीदी ने अभियान के उद्देश्य से अवगत कराते हुए कहा की मूल्यनिष्ट समाज की स्थापना के लिए राजयोग द्वारा मानव जीवन को तनाव मुक्त व व्यसन मुक्त करके उनके अंदर देवत्व को जागृत करना एवं तंबाकू, गुटखा, पान, शराब, सिगरेट, बीड़ी जैसी नशीली पदार्थों को छोड़ने के लिए लोगों को प्रेरित करना इस अभियान का लक्ष्यहै। ब्रह्माकुमारी बहनें स्मिता दीदी, अमृता दीदी, प्रमिला दीदी ने नारे लगाते हुए लोगों से नशा न करने की अपील की। शोभा यात्रा में बीज विकास निगम के राज्य मंत्री राजेश्वर सिंह, मारवाड़ी महिला युवा मंच की अध्यक्ष मीनू जिंदल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि पडरौना, अशोक, छांगुर, कन्हैया, रामप्रवेश, हरि गोविंद एवं बीके भाई बहनें सम्मिलित रहे।

बाबा साहब अंबेडकर जयंती पर निकली भव्य शोभा यात्रा

संवाददाता

कुशीनगर। भारत के संविधान शिल्पकार, भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर विभिन्न संगठनों ने ट्रैक्टर ट्रालियों पर सजे आकर्षक झांकियों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली। सोमवार को नगर के भलुही मदारी पट्टी स्थित अंबेडकर प्रतिमा पर पूर्व विधायक रजनीकान्त मणि त्रिपाठी ने माल्यार्पण किया। डा. भीमराव अंबेडकर सेवा समिति भलुही मदारी पट्टी, शाहपुर कुरमौटा, गोला बाजार सहित विभिन्न गांवों से अंबेडकर प्रतिमा और बुद्ध प्रतिमा के साथ शोभायात्रा निकली। यात्रा बुद्ध स्थली, कसया, गांधी चौक होते हुए दीवानी कचहरी पहुंची। जहां अंबेडकर प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया और संविधान रक्षा की शपथ ली गई। सभा में वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब दलितों, पिछड़ों और कमजोर वर्गके मसीहा थे। इस दौरान जिलाध्यक्ष अंबेडकर जनमोर्चा कुशीनगर अशोक कुमार,लालबिहारी, सुरेंद्र , विद्यासागर, डब्लू गौतम, जयप्रकाश उर्फ मुन्ना भारती, कुंदन यादव, चंदनराज, सोनू राज , चंदन गौतम, मुन्ना भारती करण भारती, सतीश भारती सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

मां को ढूंढते हुए मुंबई से झांसी पहुंचा बच्चा

झांसी। के रेलवे स्टाफ को सोमवार रात ट्रेन में 5 साल का बच्चा मिला। वह अपनी मां की तलाश में मुंबई से झांसी पहुंच गया। जब उसे इस बात का एहसास हुआ कि वह अपने घर से बहुत दूर आ गया है तो डर गया। झांसी के रेलवे स्टाफ ने बच्चे को अपनी देखरेख में रखा है। अब उसके परिवार से संपर्क किया जा रहा है। 1,115 किलोमीटर दूर मुंबई से झांसी पहुंचे 5 साल के बच्चे ने बताया कि वह मुंबई के ठाणे का रहने वाला है। उसकी मां का नाम सक्को और पिता का नाम रोहित है। उसका एक बड़ा भाई भी है, जो काम करने जाता है। बोला कि जब वह स्कूल से घर आया तो मां घर में नहीं मिली। पिता काम पर चले गए थे। उसे मां की याद आ रही थी, इसलिए वह उसे ढूंढने के लिए ट्रेन में बैठ गया था, लेकिन ट्रेन चलने लगी। उसे ये नहीं मालूम कि कहां जाना है।झांसी के रेलवे कंट्रोल रूम को ळळए प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने सूचना दी थी कि वह ट्रेन नंबर 20103 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में तैनात हैं। उनके पास 5 साल का बच्चा है, जो घर से भागा हुआ लग रहा है।

अंकुर बेधक नियंत्रण के लिए जायकोर का करें प्रयोग - ओम प्रकाश गुप्ता

संवाददाता

कुशीनगर। गन्नेकी बुवाई से कटाई तक किसी न किसी भाग में कीटों का प्रकोप होता रहता है। इस समय पौधा तथा पेंडी गन्ना फसल में अंकुर बेधक 'पिहिका' किट का प्रकोप देखा जा रहा है। इस कीट से प्रभावित गन्ना के पौधों के किनारे की दोनो पत्तियां हरी होतीं है। तथा बीच का गोंफ-सींका सुख जाता है जिसको खिंचने पर आसानी से बाहर निकल जाता है। गन्ना फसल का सबसे अधिक नुकसान गर्मी के दिनों में होता है। जैसे जैसे तापक्रम बढ़ता है। पिहीका कीट का प्रकोप बढ़ता है। यह जानकारी उ० प्र० गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने कसया तहसील क्षेत्र के नैका छपरा में आयोजित किसान चौपाल में दी। प्रगतिशील कृषक जगदीश सिंह जितेन्द्र दुबे, जन्टू कुशवाहा, मनीष पाठक, मनोज कुमार गुप्ता आदि किसानों को पूर्व सहायक निदेशक श्री गुप्ता ने बताया कि कीटनाशक टेकोरेल मात्रा 8 किग्रा प्रति एकड़ प्रयोग करें। गुड़ाई करें, सिंचाई करें, तुरन्त नियंत्रण होगा। कृषि विशेषज्ञ विपिन कुमार तिवारी ने बताया कि गन्ना फसल को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाने वाले प्रमुख कीट है। अंकुर वेधक और मथमुड़िया चोटीवेधक हैं। इन दोनों कीटों के नियंत्रण के लिए जयकोर(कैमिनोवा) कंपनी मात्रा 150 मिली को 400 लीटर पानी में घोलकर जड़ो के पास डेन्चीग करें। सिंचाई करें। मधमुड़िया कीट नियंत्रण के लिए अप्रैल, मई में जायकोर का प्रयोग करें। प्रयोग से 90 दिनो तक गन्ना फसल को सुरक्षा देता है। मनीष, जितेन्द्र, पवन ने बताया

कि हमने श्रीमिन गोल्ड मात्रा आधा लीटर /एकड़ को 200 लीटर पानी में घोल कर गन्ना फासल में छिड़काव किया है। विकास अच्छा है, हरा भी है। गन्ना में घास के नियंत्रण के लिए केमिनोवा कम्पनी का रच्छक 230मिली/एकड़ 200 ली पानी में घोल बनाकर खेत में नमी की अवस्था में क्षिडकाव करें बेहतर रिजल्ट मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के पूर्व नरेश ने तीनकुने की हिंसा पर जताया दुख, बोले- नागरिक स्वतंत्रता से बड़ा कोई तंत्र नहीं

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह ने राजधानी काठमांडो की तीनकुने में हुई हिंसात्मक घटना पर दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि नागरिक स्वतंत्रता से बड़ा कोई तंत्र नहीं हो सकता। नेपाली नववर्ष विक्रम संवत 2082 के अवसर पर जारी एक वीडियो संदेश में पूर्व नरेश ने कहा कि हाल ही में जन प्रदर्शन के दौरान जो हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं घटीं इस पर गहरा दु:ख हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी राजनीतिक दल, वर्ग या समुदाय को अपनी धारणा और मान्यता व्यक्त करते समय संयम और जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि व्यापारी दुर्गा प्रसाई की अगुवाई में मार्च 17 को पूर्व राष्ट्रीय पंचायत अध्यक्ष और राप्रपा नेता नवराज सुवेदी के नेतृत्व में राजतंत्र पुनर्स्थापना के लिए संयुक्त जनआंदोलन समिति का गठन किया गया था। सुवेदी ने प्रसाई को ही जन आंदोलन समिति का कमांडर घोषित किया था। प्रदर्शन से पहले, मार्च 28 को प्रसाई ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र से काठमांडो स्थित उनके घर निर्मल निवास में मुलाकात की थी।

कौन है 17 साल का अमेरिकी युवक निकिता कैसाप? जिसने रची ट्रंप की हत्या की साजिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पुलिस ने विस्कॉन्सिन से एक 17 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। उस पर अपने माता-पिता की हत्या का आरोप है। युवक का नाम निकिता कसाप है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा था। हालांकि इसके लिए उसे पैसों की सख्त जरूरत थी, फिर भी उसने अपने माता-पिता की हत्या कर दी। आरोपी युवक का नाम निकिता कसाप है, जो अब पुलिस हिरासत में है। निकिता को कुछ लिखित दस्तावेज और संदेश मिले हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की साजिश का संकेत देते हैं। अमेरिका की वौकेशा काउंटी कोर्ट के मुताबिक निकिता पर 1-2 नहीं बल्कि कुल 9 आरोप लगाए गए हैं। उसने अपने माता-पिता की हत्या कर दी और उनके शव छिपा दिए। इसके अलावा निकिता ने तीन बार ट्रंप की हत्या की साजिश रची थी। इसके लिए उसने पूरी योजना बनाई और भारी विनाश करने वाले हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश की। बता दें कि यह घटना 11 फरवरी की है। निकिता ने 11 फरवरी को अपनी मां तातियाना कसुप और सौतेले पिता डोनाल्ड मेयर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद उसने दोनों के शवों को छिपा दिया था। अमेरिकी पुलिस को इस हत्या के बारे में पता भी नहीं चला। पुलिस ने उसे पहले अपने पिता की एसयूवी चोरी करने और बंदूक रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था। लेकिन निकिता के कारनामों का काला चिट्ठा खुलने के बाद पुलिस भी दंग रह गई। पुलिस को निकिता के फोन में हिटलर की नाजी विचारधारा से प्रेरित नेटवर्क द ऑर्डर ऑफ नाइन एंगल्स के सबूत मिले। जांच से पता चला कि निकिता ट्रम्प की हत्या के लिए बम बनाना सीख रही थी। इसके अलावा उसके पास से आतंकी हमलों से जुड़ा एक पत्र और कुछ तस्वीरें भी बरामद की गई हैं। निकिता के स्कूल मित्र ने शेरिफ कार्यालय में उसके खिलाफ बयान दर्ज कराया है। शेरिफ का कहना है कि निकिता कुछ समय पहले अपने माता-पिता की हत्या की साजिश रच रहा था, लेकिन उसके पास बंदूक नहीं थी। इसलिए उसने शेरिफ से कहा कि वह ऐसे व्यक्ति से दोस्ती करेगा जिसके पास बंदूक होगी। इसका उद्देश्य ट्रम्प की हत्या करके अमेरिकी सरकार को उखाड़ फेंकना था।

अफगानिस्तान में चार लोगों की गोली मारकर हत्या, तालिबानी नेता बोले- फांसी देना इस्लाम का हिस्सा

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा ने कहा है कि फांसी देना इस्लाम का हिस्सा है। यह बयान तब आया जब हाल ही में चार लोगों को हत्या के आरोप में गोली मारकर मौत की सजा दी गई थी। यह घटनाएं शुक्रवार को खेल स्टेडियमों में हुईं, जो 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद एक ही दिन में सबसे ज्यादा फांसी की घटनाएं मानी जा रही हैं। बता दें कि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन हत्याओं की निंदा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र और कई मानवाधिकार संगठनों ने इन हत्याओं को अमानवीय बताया है। वहीं तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद की तरफ से जारी एक ऑडियो क्लिप में अखुंदजादा ने कहा, हमें सिर्फ नमाज या इबादत तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इस्लाम एक पूरा जीवन पद्धति है जिसमें अल्लाह के सारे हुक्म शामिल हैं। इनमें सजाएं देना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि तालिबान का संघर्ष सत्ता या धन के लिए नहीं था, बल्कि इस्लामी कानून को लागू करने के लिए था। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी देशों के कानूनों की अफगानिस्तान में कोई जरूरत नहीं है। इधर अफगान सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि चारों दोषियों को हत्या का अपराध साबित होने पर मौत की सजा दी गई थी। पीड़ित परिवारों ने माफ करने से इनकार कर दिया था। यह बयान ऐसे समय आया है जब तालिबान दुनिया के देशों, खासकर पश्चिमी देशों, से रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने हाल ही में तालिबान के तीन नेताओं से इनाम हटा दिया है और चार अमेरिकी नागरिकों को रिहा किया गया है।

भगोड़ा मेहुल चोकसी बेल्जियम में गिरफ्तार, भारत की प्रत्यर्पण की अपील के बाद कार्रवाई

ब्रुसेल्स, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक से लोन धोखाधड़ी मामले में आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को पुलिस ने बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोकसी को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील पर शनिवार को गिरफ्तार किया गया फिलहाल वह जेल में है। भारत ने बेल्जियम के साथ चोकसी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस ने चोकसी को गिरफ्तार करते समय दो गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया। ये मुंबई की एक अदालत ने जारी किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि वारंट 23 मई, 2018 और 15 जून, 2021 की तारीख के थे। ऐसा माना जा रहा है कि चोकसी अपनी खराब सेहत का हवाला देते हुए जमानत और तत्काल रिहाई की मांग कर सकता है। चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। पिछले महीने खुलासा हुआ था कि मेहुल चोकसी बेल्जियम में छुपा हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेहुल पत्नी प्रीति चोकसी के साथ रह रहा है, जिन्हें बेल्जियम की नागरिकता मिली है। बेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने ही चोकसी की मौजूदगी की जानकारी दी थी।

पत्नी की मदद से हासिल किया रेजिडेंसी कार्ड : चोकसी ने 15 नवंबर 2023 को बेल्जियम का 'एफ रेजिडेंसी कार्ड' हासिल किया था, जो कथित तौर पर उसकी बेल्जियन नागरिक पत्नी की मदद से प्राप्त किया गया था। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि चोकसी ने बेल्जियम अधिकारियों को फर्जी दस्तावेज सौंपे थे। उसने अपनी भारतीय और एंटीगुआ की नागरिकता छिपाकर गलत जानकारी दी, ताकि उसे भारत न भेजा जा सके।

बेल्जियम से पहले एंटीगुआ-बारबूडा में था चोकसी : 2018 में भारत छोड़ने से पहले ही चोकसी ने 2017 में ही एंटीगुआ-बारबूडा की नागरिकता ले ली थी। चोकसी बार-बार खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इनकार करता रहा। कभी-कभी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही उसकी पेशी होती थी। भारत में उसकी कई संपत्तियां भी जब्त की जा चुकी हैं।

एंटीगुआ से डोमिनिका पहुंचा, जेल में 51 दिन रहा था : चोकसी मई 2021 में एंटीगुआ से पड़ोसी देश डोमिनिका पहुंच गया था। यहां उसे अरेस्ट कर लिया गया। सीबीआई की एक टीम उसका प्रत्यर्पण कराने के लिए डोमिनिका पहुंची, लेकिन इसके पहले ही ब्रिटिश क्वीन की प्रिवी काउंसिल से उसे राहत मिल गई। बाद में उसे फिर एंटीगुआ के हवाले कर दिया गया। हालांकि, डोमिनिका की जेल में मेहुल चोकसी को 51 दिन गुजारने पड़े थे। यहां उसने दलील दी थी कि वो एंटीगुआ जाकर वहां के एक न्यूरोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट कराना चाहता है। एंटीगुआ पहुंचने के कुछ दिन बाद डोमिनिका की अदालत ने चोकसी के खिलाफ दर्ज केस भी खारिज कर दिए।

व्हिसलब्लोअर बोले- चोकसी को वापस लाना आसान नहीं : पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के व्हिसलब्लोअर हरिप्रसाद एसवी ने मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी पर कहा कि प्रत्यर्पण कोई आसाना काम नहीं है। उसका बटुआ भरा है। वह यूरोप के सबसे अच्छे वकीलों को हायर करेगा। जैसा कि विजय माल्या कर रहा है। इसलिए भारत के लिए उसे वापस लाना आसान नहीं है। हरिप्रसाद ने कहा कि चोकसी भले ही वह एंटीगुआ में पकड़ा गया था, लेकिन वह वहां से भागने में कामयाब रहा क्योंकि उसके पास वकीलों का एक बड़ा दल था। भारत सरकार के लिए यह इतना आसान नहीं होगा, हालांकि मुझे उम्मीद है कि इस बार सरकार सफल होगी।

मेहुल चोकसी भांजे नीरव मोदी के साथ भारत में वांछित : मेहुल चोकसी पंजाब नेशनल बैंक में 13,500 करोड़ रुपये के ऋण धोखाधड़ी में कथित संलिप्तता के लिए वांछित है। वह अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ एंटवर्प (बेल्जियम) में रह रहा है। उसके पास एंटीगुआ और बारबुडा की नागरिकता है। वह इलाज के लिए द्वीप राष्ट्र से बाहर गया था। उनके भतीजे नीरव मोदी भी इसी मामले में सह-आरोपी है। उसे भी लंदन से प्रत्यर्पित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। देश के दूसरे सबसे बड़े बैंक पीएनबी में घोटाला सामने आने से कुछ हफ्ते पहले वह जनवरी 2018 में भारत से भाग गया था। इससे पहले एंटीगुआ और बरबूडा के विदेश मंत्री ईपी शेत ग्रीन ने मेहुल चोकसी को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा था कि वह फिलहाल एंटीगुआ बारबूडा में नहीं है और इलाज के लिए विदेश गया हुआ है। वह अभी भी एंटीगुआ और बारबूडा का नागरिक है। हमारी और आपकी सरकार मिलकर इस मामले पर काम कर रहे हैं, लेकिन लोकतंत्र में कुछ नियम होते हैं। हमें कानून के शासन का सम्मान करना होगा।

न्यूयॉर्क : विमान हादसे में पंजाब मूल की सर्जन, पति और दो बच्चों सहित छह की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में एक छोटा विमान हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना में पंजाब मूल की एक सर्जन, उनके पति और दो बच्चों सहित 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शनिवार को, कोलंबिया काउंटी एयरपोर्ट पर लैंडिंग से ठीक पहले हुआ। सर्जन की पहचान डॉ. जॉय सैनी के रूप में हुई है, जो एक यूरोगाइनोकॉलेजिस्ट और महिला पेल्विक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जन थीं। उनके साथ पति माइकल ग्रॉफ, बेटी करेना ग्रॉफ, बेटे जैरेड ग्रॉफ और उनके-उनके साथी जेम्स सैंटोरो व अलेक्सिया कुइयुतास डुआर्ते भी विमान में सवार थे। विमान के पायलट सर्जन के पति थे।

नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) के जांचकर्ता अल्बर्ट निक्सन ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि विमान मित्सुबिशी एमयू2बी ने न्यूयॉर्क शहर के उपनगर वेस्टचेस्टर एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी और कोलंबिया काउंटी एयरपोर्ट पर लैंड करने वाला था। उन्होंने कहा कि पायलट पहली लैंडिंग मिस कर गया और दूसरी कोशिश के लिए अनुमति मांगी। लेकिन एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को असामान्य रूप से नीची उड़ान पर पाया और अलर्ट भेजने की कोशिश की, पर पायलट जवाब नहीं दे सका। विमान हवाई अड्डे से करीब 10 मील दूर, मैसाचुसेट्स राज्य की सीमा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पारिवारिक बयान के अनुसार, माइकल ग्रॉफ एक न्यूरोसर्जन और अनुभवी पायलट थे। उन्हें बचपन में 16 वर्ष की उम्र में अपने पिता से उड़ान भरना सीखने के बाद से उड़ान का शौक था। उनकी बेटी करेना ग्रॉफ मेडिकल छात्रा थीं और उनके साथी जेम्स सैंटोरो एक इंवेस्टमेंट बैंकर थे।

पेंसिल्वेनिया के गवर्नर और उनका परिवार हमले में बाल-बाल बचा, संदिग्ध पर लगेंगे आतंकवाद के आरोप

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो और उनका परिवार आधिकारिक आवास पर तड़के हुए हमले से सुरक्षित बच गया। एक व्यक्ति ने सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर इमारत में आग लगा दी थी। अब उस पर आतंकवाद के आरोप लगाए जाएंगे। शापिरो ने बताया कि रविवार को लगभग 2 बजे पुलिस ने उन्हें जगाया और राज्य की राजधानी हैरिसबर्ग स्थित आवास से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों ने बताया कि आग लगाने वाले संदिग्ध व्यक्ति कोडी बामर (38) को शहर के बाहर से गिरफ्तार कर लिया गया। स्थानीय अभियोजक फ्रैन चार्डो ने कहा कि कोडी बामर पर आतंकवाद, हत्या का प्रयास और आगजनी का आरोप लगाया जाएगा। शापिरो यहूदी हैं और यह हमला उनके धर्म के पवित्र पर्व पासओवर के दौरान हुआ। कुछ घंटे पहले, गवर्नर ने उसी कमरे में पारंपरिक सेडर डिनर आयोजित किया था, जहां आग लगाई गई थी। शापिरो ने कहा, अगर वह मेरे परिवार, मेरे दोस्तों को डराने की कोशिश कर रहा था, तो हमने अपने पर्व को गर्व से मनाया। कोई मुझे अपने धार्मिक पर्व को खुलकर मनाने से नहीं रोक सकता। गवर्नर ने अपने आवास के बाहर प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, इस तरह की हिंसा ठीक नहीं है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह हरकत एक खास पक्ष की ओर से है।

सिंगापुर में आम चुनाव की तैयारी तेज, पीएम वोंग की पार्टी पीएपी उतारेगी भारतीय मूल के उम्मीदवार

सिंगापुर सिटी, एजेंसी। सिंगापुर में आम चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। इसे लेकर प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने कहा है कि वह चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों को उतारेगी। पीएम वोंग ने भारतीय समुदाय के युवाओं के साथ संवाद में यह एलान किया। वोंग ने व्यापार, उद्योग और सार्वजनिक सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में भारतीय समूह के योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप एक छोटा समुदाय हो सकते हैं, लेकिन निश्चित रूप से सिंगापुर में आपका योगदान और प्रभाव बिल्कुल भी छोटा नहीं है। आप पहले से ही सिंगापुर की भावना को दर्शाते हैं। आपकी कहानी सिंगापुर की कहानी है। यह छोटी है, लेकिन आपके वजन से ऊपर है। पीएम वोंग ने कहा कि सिंगापुर को कई भारतीय सिविल सेवकों से लाभ हुआ है। जैसे डॉ जनिल जो वरिष्ठ स्वास्थ्य राज्य मंत्री भी हैं। आगामी चुनाव के लिए पीएपी से नए भारतीय उम्मीदवार होंगे। उन्होंने कहा कि यहां भारतीय समुदाय बहुत विविधतापूर्ण है और समुदाय ने एक अलग संस्कृति में विकसित होते हुए भी अपनी परंपराओं को बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर के भारतीयों के लिए, आपके मूल्य, आपके मानदंड, आपके सोचने का तरीका, भारत में भारतीयों से अलग हैं। यह कुछ ऐसा अनमोल है जिसे हमने यहां बनाया है। यह एक सिंगापुरी रवैया, मानसिकता, जीवन शैली है। उन्होंने कहा कि आप अपनी जातीय जड़ों पर गर्व कर सकते हैं और साथ ही सिंगापुरी होने पर भी गर्व कर सकते हैं। यही

सिंगापुरी होने का हमारा मतलब है। इस तरह हम कोशिश कर सकते हैं, भले ही एक छोटे से लाल बिंदु के रूप में हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि हम मजबूत और एकजुट रहें। हम एक दूसरे के साथ सद्भाव बनाए रख सकते हैं। संवाद में भारतीय मूल के वरिष्ठ डिजिटल विकास और सूचना राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी ने भी 130 युवाओं के साथ बात की। डॉ. जेनिल ने कहा कि भारतीय समुदाय का छोटा आकार है। हम सभी के साथ निकट संपर्क में रह सकते हैं, हमारे पास जो कनेक्शन, नेटवर्क, दोस्ती, विश्वास है उसका लाभ उठा सकते हैं। यह एक छोटा और संभावित रूप से बहुत अधिक घनिष्ठ समुदाय होने का एक फायदा है। हालांकि सिंगापुर में अधिकांश युवा एक ही चिंता साझा करते हैं, लेकिन भारतीय समुदाय नस्ल, धर्म और भाषा के मुद्दों को अलग तरह से दर्शाता है। जल्द हो सकता है चुनाव का एलान सिंगापुर में आम चुनाव का एलान जल्द हो सकता है। इसे लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारी तेज कर दी है। सिंगापुर दैनिक की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में भारतीयों ने सिंगापुर के नागरिकों का 7.6 प्रतिशत प्रतिनिधित्व किया, जबकि मलय और चीनी क्रमशः जनसंख्या का 15.1 प्रतिशत और 75.6 प्रतिशत थे। हाल ही में राजनीतिक नेताओं के साथ देखे गए नए चेहरों में पूर्व एजेंसी फॉर इंटीग्रेटेड केयर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश वासु दाश, लॉ फर्म टीटो इसाक एंड कंपनी के मैनेजिंग पार्टनर कवल पाल सिंह, 13 साल से ट्रेड यूनियनिस्ट जगतीश्वरन राजो और भारतीय ऑर्थोपेडिक सर्जन हामिद रजाक शामिल हैं। वहीं भारतीय मूल के 59 वर्षीय प्रसिद्ध वकील हरप्रीत सिंह नेहल को भी विपक्षी वर्कर्स पार्टी के संभावित भारतीय उम्मीदवारों में देखा गया है। 2020 में पीएपी ने संसद में 83 सीटें जीती थीं। संवाद से एक दिन पहले पीएम वोंग ने कहा कि पार्टी 2025 के लाइन-अप में 30 से अधिक नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी।

टैरिफ विवाद के बीच वियतनाम पहुंचे जिनपिंग, कहा- व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता

हनोई, एजेंसी। जवाबी टैरिफ को लेकर अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध छिड़ा है। दोनों देश एक-दूसरे पर भारी भरकम टैरिफ लगा रहे हैं। इस बीच चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दक्षिण पूर्व एशिया के दौरे की शुरुआत की। वे सोमवार को वियतनाम पहुंचे। यहां शी ने कहा कि व्यापार युद्ध या टैरिफ युद्ध में कोई विजेता नहीं होता है। दोनों देशों को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली, स्थिर वैश्विक औद्योगिक, आपूर्ति श्रृंखलाओं और खुले व सहकारी अंतरराष्ट्रीय वातावरण की दृढ़ता से रक्षा करनी चाहिए। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग वियतनाम पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका की तरफ से बढ़ते दबाव को देखते हुए चीन ने समर्थन जुटाने के लिए यह कदम उठाया है। हालांकि विशेषज्ञ बताते हैं कि यह यात्रा पहले से प्रस्तावित थी, लेकिन टैरिफ युद्ध ने इसे अहम बना दिया है। वियतनाम में चीनी राष्ट्रपति वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव टो लैम के साथ-साथ प्रधान मंत्री फाम मिन्ह चीन्ह से मुलाकात करेंगे। सिंगापुर के आईएसईएएस-यूसुफ

इशाक इंस्टीट्यूट के विजिटिंग फेलो गुयेन खाक गियांग ने कहा कि शी की यात्रा से चीन दक्षिण-पूर्व एशिया को दिखा सकता है कि वह एक जिम्मेदार महाशक्ति है, वह डोनाल्ड ट्रम्प के तहत अमेरिका के पूरी दुनिया के सामने पेश होने के तरीके से अलग है। गुयेन ने कहा कि वियतनाम, मलयेशिया और कंबोडिया की यात्रा इसलिए भी है कि चीन वास्तव में ट्रंप के खिलाफ खुद को कैसे बचा सकता है। 2013 में चीन के राष्ट्रपति बनने के बाद से, उन्होंने केवल दो बार वियतनाम का दौरा किया है। यह उनकी तीसरी यात्रा है और दिसंबर 2023 में उनकी पिछली यात्रा के ठीक एक साल बाद हो रही है। अंतरराष्ट्रीय संकट समूह में हुआंग ले-थु ने कहा कि यात्रा का समय एक मजबूत राजनीतिक संदेश भेजता है कि दक्षिण पूर्व एशिया चीन के लिए महत्वपूर्ण है। ट्रंप के टैरिफ से दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र भी चिंतित हैं कि अगर टैरिफ लागू किए गए तो उनके विकास को जटिल बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि शी की यात्रा यह दिखाने के लिए है कि चीन किस तरह से दबावपूर्ण और स्वार्थी अमेरिका के विपरीत है। इस संकट के समय में चीन किस तरह का नेतृत्व और पहल करने जा रहा है। वियतनाम को अमेरिका और चीन के साथ अपने संबंधों को संतुलित करने का पुराना अनुभव है। यह चीन की तरह एक कम्युनिस्ट, एक-पक्षीय प्रणाली के तहत चलता है, लेकिन अमेरिका के साथ इसके मजबूत संबंध रहे हैं। 2023 में यह एकमात्र ऐसा देश था जिसने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीन के शी जिनपिंग दोनों का स्वागत किया था।

ऊर्जा और खनिजों पर सहयोग बढ़ाएंगे दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया ने ऊर्जा और प्रमुख खनिजों के क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करने का निर्णय लिया है। यह फैसला बदलते वैश्विक आर्थिक माहौल और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच लिया गया है। दक्षिण कोरिया के वित्त मंत्रालय ने रविवार को इसकी जानकारी दी। यह सहमति शुक्रवार को दक्षिण कोरिया के वित्त मंत्री चोई सांग-मोक और ऑस्ट्रेलिया के ट्रेजरर (वित्त मंत्री) जिम चाल्मर्स के बीच एक वर्चुअल बैठक के दौरान बनी। इस बैठक में दोनों देशों के मंत्रियों ने माना कि वैश्विक व्यापारिक माहौल में बढ़ती अनिश्चितता, उनकी व्यापार-आधारित अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। ऐसे में ऊर्जा और प्रमुख खनिजों के क्षेत्रों में स्थिर आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने के लिए सहयोग बेहद जरूरी है। दोनों देशों ने इस दिशा में मिलकर प्रयास करने और जी20 जैसे बहुपक्षीय मंचों के माध्यम से संयुक्त पहल को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। दक्षिण कोरिया के वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, लंबे समय से मजबूत साझेदार रहे दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया मौजूदा चुनौतियों को एक साथ पार करने के लिए मिलकर काम करेंगे। दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और अन्य प्रमुख साझेदार देशों के साथ घनिष्ठ संवाद बनाए रखेगा। बयान में यह भी कहा गया कि ऑस्ट्रेलिया लिथियम, कोबाल्ट, तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। इसके अलावा, वहां के अनुकूल मौसम की वजह से स्वच्छ हाइड्रोजन और अमोनिया के उत्पादन की भी व्यापक संभावना है। इस बीच, दक्षिण कोरिया के विदेशी मुद्रा बाजार में पिछले सप्ताह भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह उतार-चढ़ाव तब से जारी है जब जुलाई 2024 में कोरियाई सरकार ने वॉन-अमेरिकी डॉलर ट्रेडिंग के घंटों को बढ़ाकर सुबह 9 बजे से अगले दिन तड़के 2 बजे तक कर दिया था। अप्रैल के दूसरे सप्ताह में डॉलर के मुकाबले वॉन की विनिमय दर में 67.6 वॉन का उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया, जो बढ़े हुए ट्रेडिंग घंटों के बाद से अब तक का सबसे ज्यादा है। पुराने रिकॉर्ड की बात करें, तो यह उतार-चढ़ाव नवंबर 2022 के बाद से सबसे अधिक है, जब साप्ताहिक उतार-चढ़ाव 101 वॉन था। शुक्रवार को आफ्टर-ऑवर्स ट्रेडिंग में कोरियाई वॉन 1,421 प्रति अमेरिकी डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले सप्ताह की तुलना में 40 वॉन मजबूत था। यह 5 दिसंबर के बाद वॉन का सबसे मजबूत स्तर है। दिसंबर से अब तक वॉन 1,450 के स्तर से नीचे गिर चुका है और अमेरिकी टैरिफ की धमकियों और घरेलू राजनीतिक संकट के कारण लगातार अस्थिर बना हुआ है।

इक्वाडोर ने डेनियल नोबोआ को दोबारा राष्ट्रपति चुना, अपराध के खिलाफ उनकी बेबाक लड़ाई बनी निर्णायक

क्विटो, एजेंसी। इक्वाडोर ने डेनियल नोबोआ को दोबारा राष्ट्रपति चुन लिया है। रूढ़िवादी करोड़पति का अपराध के खिलाफ जंग छेड़ने का रिकॉर्ड बेमिसाल रहा है। कानून व्यवस्था को लेकर उनके बेबाक फैसले की वजह से इक्वाडोर ने उन्हें सर्वोच्च पद के लिए एक बार फिर से चुना है। कट्टर दक्षिणपंथी राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ को करीब 15 उम्मीदवार टक्कर दे रहे थे। 37 साल के अरबपति नोबोआ केले के व्यापारी के हैं। वह करीब 15 महीने पहले ही सत्ता में आए थे। उनका सबसे करीबी मुकाबला वामपंथी सांसद लुइसा गोंजालेज से था। वह पूर्व राष्ट्रपति राफेल कोरेया की 47 वर्षीय शागिर्द हैं।

पहले चरण का मतदान 9 फरवरी को कराया गया था। इस दौरान किसी भी उम्मीदार को 50 फीसदी वोट नहीं मिले थे। वहां के कानून के मुताबिक, अगर किसी भी उम्मीदवार को 50 प्रतिशत वोट न मिलें हैं या उसे निकटतम प्रतिद्वंद्वी पर 10 अंकों की बढ़त के साथ 40 प्रतिशत वोट न मिल सकें तो दूसरे दौर का मतदान कराना अनिवार्य होता है। इसी वजह से यहां 13 अप्रैल को फिर से मतदान कराया गया।

दक्षिण अमेरिकी देश में दो साल से भी कम समय में यह दूसरा राष्ट्रपति चुनाव था। नोबोआ ने मतदाताओं से जबरन वसूली, हत्या, अपहरण और अन्य अपराधों को जड़ से खत्म करने का वादा किया था। अपराध देश के महामारी से उभरने के बाद आम हो गए हैं। यहां के लोग 2021 में हुई हिंसा के बाद से चिंतित हैं। उस हिंसा ने देश को बदलकर रख दिया था और पड़ोसी कोलंबिया और पेरू में बन रही कोकीन की तस्करी से जुड़े अपराध में बढ़ोतरी देखी जाने लगी थी। इक्वाडोरवासियों ने वामपंथी वकील लुइसा गोंजालेज के मुकाबले एक बार फिर

नोबोआ पर भरोसा जताया। 2023 में अचानक कराने पड़े थे चुनाव इससे पहले अक्तूबर 2023 में हुए अचानक चुनाव के दूसरे चरण में मतदाताओं ने भी गोंजालेज के मुकाबले नोबोआ को चुना था। पहले दौर के चुनाव में सबसे अधिक वोट पाने के बाद अक्तूबर में नोबोआ को 44.17त्न वोट मिले, जबकि गोंजालेज को 44त्न वोट मिले थे। 2023 में नोबोआ और गोंजालेज अपनी-अपनी सियासी पारी शुरू कर रहे थे। वे पहली बार राष्ट्रपति पद की दौड़ में थे। मई 2023 में वे पहली बार तब सांसद बने थे, जब तत्कालीन राष्ट्रपति गिलर्मो लास्सो ने नेशनल असेंबली को भंग कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने अपना जनादेश खो दिया और देश में अचानक चुनाव कराने पड़े। मतदान न करने पर 46 डॉलर का जुर्माना इक्वाडोर में 1.3 करोड़ से अधिक लोग मतदान के पात्र हैं। मतदान 65 वर्ष की आयु तक के वयस्कों के लिए अनिवार्य है। इसके इतर मतदान 16-17 वर्ष की आयु और 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए वैकल्पिक है। मतदान न करने पर 46 डॉलर का जुर्माना लगाया जाता है।